mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-329 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

30 नवंबर 2024 शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

हो गया तय...

@ पेज 7

महाकुंभ 2025 में अग्नि सुरक्षा की खास तैयारी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 के आयोजन को केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सुरक्षा के मामले में भी ऐतिहासिक बनाने की तैयारी हो रही है। पहली बार इस महापर्व में 200 विशेष रूप से प्रशिक्षित फायर कमांडो तैनात किए जा रहे हैं। ये कमांडो आग जैसी किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम होंगे। इन कमांडो को खास तौर पर कुंभ मेला के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। महाकुंभ में सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए विशेष बचाव समूह (एसटीआरजी) का गठन किया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी)

- फायर कमांडो और हाईटेक तकनीक से लैस होगा पूरा संगम क्षेत्र

अग्निशमन, पद्मजा चौहान के अनुसार, यह समूह एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की

तर्ज पर तैयार किया गया है। इन फायर कमांडो को एनडीआरएफ और सीआईएसएफ हैदराबाद द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। 200 कर्मचारियों को 10-10 सदस्यों के 20 समूहों में विभाजित किया गया है, जो महाकुंभ के अति संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात रहेंगे। इस बार महाकुंभ में आधुनिक तकनीक का उपयोग सुरक्षा के लिए किया जाएगा। पहली बार तीन रोबोटिक फायर टेंडर शामिल किए गए हैं। इनका वजन मात्र 20-25 किलोग्राम है।

संक्षिप्त समाचार

दुबई में करोड़ों की संपत्ति 'छिपाकर' बैठे हैं भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले भारतीयों की फेवरेट डेस्टिनेशन दुबई हो गई है। लेकिन टैक्स चोरी भी दुबई के जरिए काफी की जा रही है। इनकम टैक्स की जांच में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार इनकम टैक्स को दुबई में भारतीयों की अघोषित अचल

संपत्तियों के बारे में पता चला है। इसमें 500 से अधिक संपत्तियां ऐसी हैं जिन पर कार्रवाई हो सकती है। यानी ये ऐसी संपत्तियां हैं जिनके बारे में इनकम टैक्स विभाग को या तो कोई जानकारी नहीं दी और अगर दी है तो भ्रामक। इनकम टैक्स की इस छापेमारी में अकेले दिल्ली से 700 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसाब लेन-देन के सबूत मिले हैं। एक दर्जन से अधिक तलाशी ली हैं।

लोकसभा के बाहर पंजाब कांग्रेस के सांसदों का विरोध

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश प्रधान और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लोक सभा में भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। लोकसभा भवन के बाहर आज वड़िंग के साथ पटियाला से सांसद धर्मवीर गांधी, गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, श्री फतेहगढ़ साहिब से सांसद डॉ. अमर सिंह और

फिरोजपुर से सांसद शेर सिंह घुबाया ने भाजपा खिलाफ नारेबाजी की। लोकसभा के बाहर खड़े होकर भाजपा के खिलाफ हाथ में तख्तियां पकड़ विरोध जताया। राजा वड़िंग ने भाजपा को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा पंजाब से फसलों की खरीद करने में देरी कर रही है। इस बीच राजा वड़िंग ने केन्द्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर भी निशाना साधा।

संसद की कार्यवाही 2 दिसंबर तक स्थगित

- चार दिन में कुल 40 मिनट ही चली कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में करीब 10-10 मिनट तक कामकाज हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा

उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ। शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले।

ब्राह्मण सीएम के नीचे दो मराठा, नहीं चलेगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे आए 6 दिन बीत चुके हैं और सीएम का फैसला अधर में लटका है। तीन दिनों की चुप्पी के बाद एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के सीएम कैंडीडेट को

- प्रपोजल ठुकराकर शिंदे चले गए गांव
- महायुति की मीटिंग भी टली

समर्थन देने का ऐलान तो किया, मगर शर्तों से महायुति का संकट गहरा दिया। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे को मनाने के लिए कई प्रस्ताव बनाए, मगर वह नहीं माने। दिल्ली में अमित शाह के आवास पर तीन घंटे चली मैराथन मीटिंग में भी कोई फैसला नहीं हो सका। शुक्रवार को मुंबई में प्रस्तावित गठबंधन की बैठक भी टाल दी गई। शिंदे बैठक से पहले अपने गांव चले गए। रिपोर्टस के मुताबिक, गुरुवार रात केंद्रीय गृह

मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग में यह साफ किया गया कि देवेंद्र फडणवीस ही महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। बीजेपी ने शिंदे के सामने एक बार डिप्टी सीएम बनने की चर्चा की। उन्हें बताया गया कि डिप्टी सीएम का पद लेने से महायुति की एकता का संदेश जाएगा। उन्हें फडणवीस के साथ अन्य दिग्गज नेताओं के बारे में बताया गया, जिन्होंने बड़े पद पर रहने के बावजूद दूसरी जिम्मेदारी ली। इस दलीलों से शिंदे नहीं माने।

महाराष्ट्र में बस हादसा

12 लोगों की मौत

गोंदिया (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गोदिंया में शुक्रवार दोपहर बस हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई। 18 से ज्यादा यात्री घायल हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर बताई गई है। दरअसल, महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल की शिवशाही बस भंडारा से गोदिंया आ रही थी। हादसा गोंदिया से 30 किमी पहले खजरी गांव के पास हुआ। लोगों के मुताबिक घटना 12.30 बजे के करीब की है। बाइक सवार को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर से बस अन कंट्रोल हुई और सड़क किनारे की रेलिंग से टकराने के बाद पलट गई।

- 18 घायल, बाइक सवार को बचाने में हुआ हादसा

एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया। जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र परिवहन महामंडल की शिवशाही बस 40 यात्रियों को लेकर नागपुर से गोंदिया जा रही थी।

5 जिलों में कर्फ्यू में ढील, इंटरनेट पर लागू रहेगा बैन

मणिपुर में 13 दिन बाद खुल गए स्कूल और कॉलेज

इंफाल (एजेंसी)। 13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे। राज्य सरकार ने शुक्रवार को घाटी के सभी पांच जिलों और जिरीबाम में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। ताकि लोग जरूरी चीजों और

- जिरीबाम हिंसा के बाद से बंद थे,10 उग्रवादी मारे गए थे

दवाओं की खरीदारी कर सकें। साथ ही कहा है कि इस दौरान बिना परमीशन कोई भी सभा/धरना/रैली नहीं होगी। हिंसा भड़कने के बाद से इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी, चुराचांदपुर, जिरीबाम और फेरज़ॉल समेत 9 जिलों में मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाएं बंद हैं। जिरीबाम से अगवा कर मारे गए 6 लोगों में बाकी 3 लोगों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट 27 नवंबर को आई। इसमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। तीनों के शवों पर गोलियों के निशान और गंभीर चोटें पाई गई हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि तीनों की मौत शव मिलने 3 से 5 दिन पहले हो चुकी थी।

भारतीय अधिकारियों के मैसेज पढ़ रहे थे कनाडाई अफसर

ओटावा (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को संसद में बताया कि कनाडा के वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों के 'ऑडियो-वीडियो' मैसेज पर निगरानी रखी जा रही थी और यह अभी भी जारी है। उनके निजी मैसेज को भी पढ़ा जा रहा था। यह जानकारी खुद कनाडा

के अधिकारियों ने भारतीय अधिकारियों को दी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2 नवंबर को एक नोट भेजकर ट्रूडो सरकार से इसकी शिकायत की थी और इसे राजनयिक प्रावधानों का उल्लंघन बताया था। कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उनसे इसके बारे में पूछा गया था।

कोलकाता में हिंदू सड़कों पर मुसलमान भी कर रहे विरोध

- बांग्लादेश हिसा: जाम हो गईं गलियां, चरमरा गई यातायात की पूरी व्यवस्था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगल की राजधानी कोलकाता में गुरुवार को सड़कें जाम रहीं। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में चल रहे संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं मुस्लिम संगठनों ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल स्टेट जमीयत-उल-उलमा की तरफ से विरोध में एक सभा आयोजित की गई। शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग इस विरोध में शामिल हुए। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई और साथ ही एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की भी मांग की।

हिंदुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी ही होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामले बढ़ रहे हैं। हाल ही में इस्कॉन से जुड़े चिन्मय दास को वहां की सरकार ने देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने सख्त संदेश भी दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा है कि बांग्लादेश सरकार को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

संभल मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी 'सुप्रीम' आदेश

हिंसा भड़काने के आरोपी सपा सांसद के पिता जुमे की नमाज पढ़ने पहुंचे

संभल (एजेंसी)। संभल की जामा मस्जिद मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश दिया कि मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से कहा कि 8 जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें। शांति जरूरी है। गुरुवार को संभल की शाही जामा

मस्जिद की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। सीजेआई की बेंच में इस पर सुनवाई हुई। शुक्रवार को जामा मस्जिद में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क नमाज पढ़ने पहुंचे। पुलिस ने जियाउर्रहमान बर्क को हिंसा भड़काने का आरोपी बनाया है। जुमे के दिन करीब एक हजार लोग नमाज के लिए पहुंचे। इससे पहले, संभल की चंदौसी कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं हुई।

800 साल पुरानी अजमेर दरगाह पर कोर्ट केस गलत

- गहलोत बोले-पीएम मोदी यहां चादर चढ़ा चुके, उन्हीं की पार्टी के लोग केस कर रहे हैं

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अजमेर दरगाह परिसर में शिव मंदिर होने के दावे से उठे विवाद को लेकर बीजेपी, आरएसएस और पीएम नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने कहा- 15 अगस्त 1947 तक बने जो भी धार्मिक स्थान जिस स्थिति में हैं, वे उसी में रहेंगे, यह कानून बना हुआ है। उन पर सवाल उठाना गलत है। गहलोत ने ये भी कहा- अजमेर दरगाह 800 साल पुरानी है। दुनियाभर से लोग यहां आते हैं। दुनिया के मुल्कों के मुस्लिम भी आते हैं, हिंदू भी आते हैं। प्रधानमंत्री कोई भी हो, कांग्रेस, बीजेपी या किसी दल के हों, पंडित नेहरू के जमाने से मोदी जी तक तमाम प्रधानमंत्री की तरफ से दरगाह में चादर चढ़ती है। चादर चढ़ाने के अपने मायने होते हैं। आप चादर भी चढ़ा रहे हैं और आपकी पार्टी के लोग कोर्ट में केस भी कर रहे हैं। आप भ्रम पैदा कर रहे हैं तो लोग क्या सोच रहे होंगे। जहां अशांति है वहां विकास नहीं हो सकता।

प्रदेश का तीसरा पूर्णतः स्मार्ट मीटरीकृत शहर बना थांदला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, स्मार्ट मीटरीकरण का कार्य प्राथमिकता के साथ कर रही है। पश्चिम क्षेत्र कंपनी का थांदला शहर प्रदेश का तीसरा शत प्रतिशत स्मार्ट मीटरीकरण वाला शहर बन गया है। इसके पहले महू और खरगोन शहर इस श्रेणी के हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इंदौर व झाबुआ के विद्युत कार्मिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी स्तर पर स्मार्ट मीटरीकरण कार्य अत्यंत प्राथमिकता व गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। प्रदेश के तीसरे पूर्ण स्मार्ट मीटरीकृत शहरों में झाबुआ जिले का थांदला शामिल हो गया है। थांदला नगरीय क्षेत्र में कुल 5631 अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगाए हैं। इन स्मार्ट मीटरों में सिंगल फेज, थ्री फेज के अलावा ट्रांसफार्मर पर लगाए जाने वाले स्मार्ट मीटर भी शामिल हैं। प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि झाबुआ शहर आगामी एक सप्ताह में शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला हो जाएगा। प्रबंध निदेशक ने बताया कि रतलाम समेत अन्य कई जिला मुख्यालयों पर 50 से 85 प्रतिशत स्मार्ट मीटरीकरण कार्य हो चुका है। सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में अब तक 8.50 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश को प्राकृतिक खेती में अग्रणी बनाने उत्पादों की करें ब्रांडिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश को प्राकृतिक खेती में अग्रणी राज्य बनाने के लिए उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केट कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाना चाहिए। महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देकर कम्युनिटी मॉडल अपनाए जाना चाहिए। प्राकृतिक खेती के लिए मानकों और प्रमाणन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए। उक्त विचार विशेषज्ञों ने आज यहां मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा जलवायु सहनशीलता और सतत् कृषि के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा- मार्ग, चुनौतियां और नीति समर्थन विषय पर आयोजित संवाद में व्यक्त किए। संवाद में कृषि, बागवानी और सतत विकास के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, महिला किसानों, स्वयंसेवी संगठनों, और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। सीईओ, राज्य नीति आयोग श्री ऋषि गर्ग ने प्राकृतिक खेती के संवर्धन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती को अपनाने में किसानों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करना आवश्यक है। आंध्रप्रदेश के उप निदेशक हॉर्टिकल्चर श्रीनिवासुलु ने सामुदायिक प्राकृतिक खेती के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कम लागत और स्थानीय संसाधनों का उपयोग प्राकृतिक खेती को किसानों के लिए आकर्षक बनाता है। अतिरिक्त सचिव बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्रीमती प्रीति मैथिल ने बताया कि प्राकृतिक खेती के उत्पाद उपभोक्ताओं में लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन इसे व्यावसायिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए बेहतर नीति समर्थन और बाजार संपर्क की आवश्यकता है। श्री जी. प्रकाश राव ने प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक आधार, जैव विविधता में सुधार और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। पद्मश्री डॉ. सुभाष पालेकर ने जैविक और प्राकृतिक खेती के बीच के अंतर को स्पष्ट किया और प्राकृतिक खेती को अपनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने शून्य लागत प्राकृतिक खेती की तकनीकों पर जोर दिया। प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने विशेषज्ञों से संवाद किया।

अमृत 2.0 में 1146 प्रोजेक्टस् पर कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय की राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की 49वीं बैठक में अमृत 2.0 योजना में 558 करोड़ 17 लाख रूपये के डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुशंसा के बाद तकनीकी अनुमोदन कर दिया है। यह बैठक बुधवार को आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्री भरत यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में तकनीकी समिति की अनुशंसा के बाद अनुमोदन दिया गया। स्वीकृत योजना में सीवरेज, जलप्रदाय, वाटर बॉडी, ग्रीन स्पेस निर्माण कार्यों के लिए मुख्य रूप से मंजूरी दी गई। समिति ने सांवेर शहर की सीवरेज परियोजना की दर स्वीकृति पर भी विचार किया। प्रदेश में 418 नगरीय निकायों में अमृत 2.0 के तहत 11,778 करोड़ रूपये लागत के 1146 प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये सीवरेज और उनके प्रबंधन का कवरेज बढ़ाने पर लगातार कार्य किया जा रहा है। शहरों में उपलब्ध जल स्वच्छ रहे इसके लिये स्वच्छ जल को सुरक्षित करने के प्रबंधन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस बात पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि जल स्त्रोतों में गंदा पानी न मिले। नदियों और तालाबों के पानी में गंदे नालों का पानी न मिले, इसके लिये शहरी क्षेत्रों में सीवरेज की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में अमृत 2.0 में जल प्रदाय की 417 परियोजनाओं में से 210 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इन परियोजनाओं में से 199 का कार्य प्रगति पर है।

जन सेवा और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता-राज्यमंत्री श्रीमती गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनता की सेवा और जनहित में जरूरी विकास कार्य कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-53 में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन अवसर पर यह बात कही। उन्होंने दानिश नगर में 27 लाख 53 हजार रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड का लोकार्पण किया। हनुमान नगर में 12 लाख की लागत से बनने वाली सीसी रोड और 5 लाख 30 हजार की लागत से बनने वाली बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। गगन विहार कॉलोनी सेंट राफेल स्कूल के पास 14 लाख से बनने वाली सीसी रोड के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। शिवनगर जाटखेड़ी में नाली निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। बाबा साहेब अंबेडकर पार्क जाटखेड़ी में 18 लाख से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। संजय नगर जाटखेड़ी के संत शिरोमणि रविदास महाराज परिसर में बाउंड्री वॉल का भूमि-पूजन किया। पार्क एवेन्यू में 9 लाख रुपये से बनने वाली सीसी रोड का भूमि-पूजन किया। शंकराचार्य नगर में 6 लाख की लागत से बनने वाली सीसी रोड और नाली निर्माण के कार्य का भूमि-पूजन किया। गायत्री विहार फेज-1 बागमुगलिया में पार्क का लोकार्पण किया। इस दौरान पार्षद श्री प्रताप वारे, शीला पाटीदार, श्री जितेन्द्र शुक्ला, श्री रामबाबू पाटीदार, श्री धर्मेंद्र पाटीदार, श्री रमाकांत मालवीय सहित स्थानीय जन मौजूद रहे।

मुख्य सचिव से आईपीएस अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गुरूवार को मंत्रालय में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन से मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में प्रशिक्षणरत वर्ष 2022 एवं 2023 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के 11 अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की।

मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त करने के बाद उनसे भविष्य में पुलिस अधिकारी के रूप में कार्य करने की योजनाएं पूछीं। श्री जैन ने आमजन की शासन से अपेक्षाएं और अधिकारियों द्वारा ईमानदारी से उन्हें पूर्ण किए जाने, नई तकनीकों से हमेशा अपडेट रहने के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य सचिव ने सभी पुलिस अधिकारियों को एक अच्छे और लगनशील अधिकारी के रूप में अलग पहचान स्थापित करने के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, मप्र पुलिस अकादमी श्री मलय जैन एवं कोर्स समन्वयक श्री अनिल सिंह, उप पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित थें।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय ने किया राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्था का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, संकल्प वृद्धाश्रम एवं नशा मुक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया।

प्रमुख सचिव ने पुनर्वास संस्थान द्वारा दिव्यांगजन को दी जा रही सुविधाओं के विषय में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एपिड योजनान्तर्गत शिविर आयोजित करने तथा कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। श्रीमती वायंगणकर ने नशामुक्ति केन्द्र में भर्ती नशा मरीजों से भी चर्चा की।

इस अवसर पर उप संचालक सामाजिक न्याय श्री महेश कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अब तक 5 लाख 10 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप के जरिए भी ईकेवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करके बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। अब तक 05 लाख 10 हजार 360 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि नर्मदापुरम ग्रामीण में 65 हजार 335, बैतूल ग्रामीण में 75 हजार 961, राजगढ़ ग्रामीण में 31 हजार 099, शहर वृत्त भोपाल में 38 हजार 747, भोपाल ग्रामीण में 34 हजार 181, गुना ग्रामीण में 29 हजार 602, विदिशा ग्रामीण में 37 हजार 157, सीहोर ग्रामीण में 19 हजार 752, ग्वालियर ग्रामीण में 19 हजार 513, शहर वृत्त ग्वालियर में 25 हजार 835, अशोकनगर ग्रामीण में 13 हजार 591, दतिया ग्रामीण में 18 हजार 574, रायसेन ग्रामीण में 36 हजार 384, शिवपुरी ग्रामीण में 18 हजार 477, हरदा ग्रामीण में 15 हजार 257, श्योपुर ग्रामीण में 08 हजार 313, मुरैना ग्रामीण में 14 हजार 889 एवं भिण्ड ग्रामीण में 07 हजार 693 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी द्वारा नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आईडी, मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता इत्यादि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है। नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया से बिजली उपभोक्ताओं को जहां राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही केवायसी से वास्तविक उपभोक्ताओं के विद्युत संयोजन एवं उनके भार की स्थिति का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे कंपनी कार्यक्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के भविष्य में विस्तार की योजना बनाने में आसानी होगी तथा कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सही पहचान और मोबाइल नंबर को सटीक रूप से टैग करने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी की सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

20 हजार से अधिक गैस पीड़ितों के बनाये गये आयुष्मान कार्ड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार द्वारा भोपाल गैस पीड़ितों और उनके बच्चों को आयुष्मान 'निरामयम' मध्यप्रदेश योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसमें गैस पीड़ितों एवं उनके बच्चों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं। 20 हजार 27 गैस पीड़ितों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। गैस पीड़ित मरीजों एवं उनके बच्चों को भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अधीन संचालित 6 अस्पतालों एवं 9 औषधालयों में सभी प्रकार के उपचार एवं आवश्यकतानुसार सुविधाएँ नि:शुल्क दी जा रही हैं। साथ ही आयुष्मान भारत 'निरामयम' मध्यप्रदेश योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी अनुबंधित अस्पतालों में भी गैस पीड़ितों को उपचार सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। विशेष प्रकरणों में इस योजना में निर्धारित पैकेज के अतिरिक्त इलाज पर खर्च होने पर संबंधित अस्पताल को उसकी प्रतिपूर्ति गैस राहत विभाग द्वारा की जाती है। गैस पीड़ित मरीज एवं उनके बच्चों को किडनी, लीवर ट्रॉन्सप्लांट एवं अन्य प्रकार की गंभीर बीमारियों के उपचार के लिये विशेष प्रकरण मानते हुए मरीजों को आवश्यकतानुसार इलाज की सुविधा भी दी जा रही है। भोपाल गैस पीड़ित मरीजों एवं उनके बच्चों को कैंसर के उपचार के लिये गैस राहत विभाग द्वारा 3 निजी अस्पतालों एवं एम्स भोपाल के साथ अनुबंध भी किया गया है। यहां पीड़ितों को कैंसर के उपचार की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है।गैस राहत विभाग के अधीन संचालित सभी अस्पतालों में गैस पीड़ित मरीजों एवं उनके बच्चों के उपचार के लिये अत्याधुनिक इमरजेंसी यूनिट सातों दिन 24 घंटे संचालित की जा रही हैं। गैस पीड़ित मरीजों एवं उनके बच्चों के किडनी रोग (सी.के.डी.-) व अतिगंभीर मरीजों के उपचार के लिये कमला नेहरू अस्पताल, भोपाल में डायलिसिस यूनिट की स्थापना भी की गई है।

नेशनल लोक अदालत 14 दिसम्बर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय में संपर्क करें।

विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत?येक

छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन/संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई वैध कनेक्शन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक द्वारा वैध कनेक्शन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित कनेक्शनों के विरूद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा।

नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत/अदालतों में छूट प्राप्त कर चुके उपभोक्ता/उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य बिजली बिलों में जुड़ी बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जाएगी। नेशनल लोक अदालत में उपरोक?तानुसार दी जा रही छूट आकलित सिविल दायित?व राशि 50 हजार तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल ''लोक अदालत'' 14 दिसंबर 2024 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

सबको शिक्षित बनाना सरकार की प्राथमिकता-मंत्री चौहान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि ज्ञानोदय विद्यालयों से हमें गरीब बच्चों को शिक्षित करने का अवसर मिल रहा है, यह हमारा सौभाग्य है। सभी को शिक्षित बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम यह प्रयास करें कि विद्यार्थियों को पढ़ाई का माहौल मिले। पढ़ाई में कमजोर बच्चों की मार्किंग कर, उनकी कमियों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के प्रवेश लेते ही बच्चों की नींव मजबूत करने का प्रयास करें, जिससे वे राष्ट्र के सशक्तिकरण के लिये तैयार हो सके। मंत्री श्री चौहान गुरुवार को ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, कटारा हिल्स भोपाल में शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों के संचालन की समीक्षा कर रहे थे। मंत्री श्री चौहान ने विद्यालय का निरीक्षण भी किया। मंत्री श्री चौहान ने निरीक्षण में छात्र-छात्राओं से शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियों, मिलने वाली सुविधाओं के बारे में चर्चा भी की। उन्होंने विद्यालय में स्थापित साइंस लैब, सोशल साइंस लैब, म्यूजिक रूम और क्लास रूम का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए उपकरणों और प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ दोपहर भोजन भी किया। मंत्री श्री चौहान ने ज्ञानोदय विद्यालयों के परीक्षा परिणाम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में प्रदेश भर से मेरिट के आधार पर चयनित विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। सभी शिक्षकों की यह जिम्मेदारी है कि बच्चों के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि करें। सभी विद्यालयों में परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत होना चाहिए। बोर्ड परीक्षाओं में सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हो। परीक्षा परिणाम में सुधार नहीं होने पर जिम्मेदार शिक्षकों एवं अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा शासन ने सर्व-सुविधायुक्त ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों की स्थापना की है, इन संस्थानों पर पालकों और विद्यार्थियों का भरोसा बना रहे, इसके लिये हमें टीम भावना से कार्य करना होगा।

मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों में रिक्त पदों की शीघ्र पदपूर्ति कर लें। सभी विद्यालयों में खेलकूद परिसर बनाएं जाएं, जिन संभाग में परिसर बनाने का कार्य भूमि अनुपलब्धता के कारण अप्रारंभ हैं, उन जिलों के कलेक्टर को भूमि आवंटन करने के लिए पत्र लिखें। उन्होंने ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, रीवा के लिए शीघ्र भूमि आवंटन कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इन विद्यालयों के छात्रावासों के संचालन, रख-रखाव एवं सामग्री प्रदाय, विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं तथा उपलब्ध बजट उपयोग की भी समीक्षा की। प्रमुख सचिव, अनुसूचित जाति कल्याण डॉ. ई. रमेश कुमार ने कहा कि परीक्षा परिणाम बेहतर करने के लिए सभी प्राचार्यों को विद्यार्थियों की ग्रेडिंग करें। ग्रेडिंग के बाद कमजोर बच्चों की हैंड होल्डिंग कर उनकी शिक्षा के स्तर को सुधारा जाए। उन्होंने प्राचार्य विद्यार्थियों की विषयवार मैपिंग करने और बोर्ड परीक्षाओं के लिए मॉडल प्रश्न उत्तर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से भी चर्चा की। हाईस्कूल स्तर से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में मार्गदर्शन देने और करियर काउंसलिंग करने के निर्देश दिए।

बंद कमरे में गर्लफ्रेंड को सिर पर गोली मारी

आपत्तिजनक हालत में मिली लाश, थाने जाने का कहकर भागा आरोपी

सचिन यादव, आरोपी

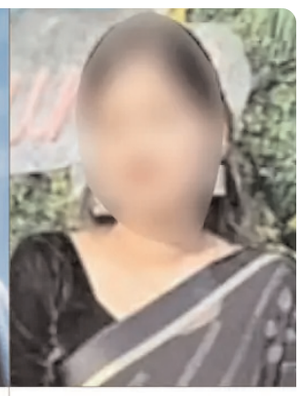

मृतका

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सटई रोड पर बनी एक बिल्डिंग में शुक्रवार (29 नवंबर) दोपहर 1:30 बजे एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी लगने पर एसपी अगम जैन, एडिशनल एसपी विक्रम सिंह, सीएसपी अमन मिश्रा, सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया।

जानकारी के मुताबिक गोली चलाने वाले युवक ने कमरे में दो राउंड फायर किए और फरार हो गया। एसपी अगम जैन ने बताया कि गोली मारने की वजह स्पष्ट नहीं हो पा रही है। सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि आरोपी सचिन यादव को नौगांव थाना क्षेत्र से घेराबंदी कर पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

अर्धनग्न हालत में मिला युवती का शव: स्थानीय लोगों के मुताबिक लखेरे बिल्डर्स की इस बिल्डिंग में करीब 25 स्टूडेंट्स किराए से कमरा लेकर रहते हैं। उसी बिल्डिंग में सचिन यादव और नीलेश नाम के दो युवक भी रेंट पर रहते हैं। घटना के करीब एक घंटे पहले देरी रोड इलाके में रहने वाली एक युवती स्कूटी से यहां आई थी। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त बिल्डिंग का मालिक नीलेश लखेरा पत्नी का इलाज कराने ग्वालियर गया था।

गोली मारकर भाग निकला बॉयफ्रेंड: सूत्रों के मुताबिक पुलिस जब जांच के लिए कमरे में पहुंचे तो युवती का शव अर्धनग्न हालत में मिली। गोली लगने के कारण सिर से खून बह रहा था। गोली मारने के बाद सचिन मौके से भाग गया, लेकिन नीलेश को पुलिस ने पकड़ लिया और पूछताछ के लिए थाने ले गई है।

तीन साल से था चल रहा था अफेयर: जानकारी के मुताबिक तीन साल से युवती का सचिन के साथ अफेयर चल रहा था। जबकि परिवार वाले लड़की की सगाई कहीं और करवा चुके थे। बिल्डिंग में किराए से रहने वाले अमन लखेरा ने बताया कि ऊपर का कमरा हरपालपुर के एक लड़के ने ले रखा है। दोपहर में ऊपरी माले में गोली चली। हम बाहर निकलकर ऊपर जाने लगे तो दूसरी गोली चलने की आवाज आई। वहां पहुंचे तो कमरे से लड़का बाहर आया। उसने हमसे कहा कि पुलिस के पास जा रहा हूं। इतना कहकर यहां से भाग निकला। भीतर जाकर देखा तो एक लड़की के सिर पर गोली लगी थी। उसकी मौत हो चुकी थी। हमें यह नहीं पता कि लड़की आई थी या लड़के ने मिलने बुलाया था। लड़की को हमने पहली बार देखा है। हमें तो कमरे में उसकी बॉडी दिखी।

आरोपी, फरियादी पहुंचे एसपी ऑफिस

युवक बोला- पुलिस ने जबरन हस्ताक्षर कराकर दर्ज कराई एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर एसपी ऑफिस में शुक्रवार को एक मारपीट के मामले में दोनों पक्ष एसपी ऑफिस पहुंचे। यहां उन्होंने शिकायत की है कि पुलिस ने झूठी एफआईआर दर्ज कराई है। जबकि हम दोनों का कोई विवाद नहीं है।

जानकारी के अनुसार, शत्रुघ्न सिंह पिता भोपाल सिंह निवासी कुरेला थाना राजनगर का रहने वाला है। खेती का काम करता है। उनके पिता भोपाल सिंह कांग्रेस नेता है। इस वजह से कई लोग आपसी बुराई मानते हैं।

शत्रुघ्न सिंह ने बताया कि 20 नवंबर को सुबह 7 बजे एक रेत से भरा ट्रैक्टर खेत में फंस गया, तब गांव के लोगों ने निकलवाया। इस दौरान वहां पास में बनी बॉडी टूट गई और ट्रैक्टर में स्क्रेच आ गया। तभी ट्रैक्टर मालिक रमेश यादव निवासी सूरजपुर थाना चंदला मौके पर आ गया, उसने बताया कि यह बालू ग्राम घूंचु राम प्रसाद और भाइयन शुक्ला के यहां विक्रय के लिए जा रही है। उसके बाद भाइयन शुक्ला के साले देवेंद्र तिवारी, छत्रपाल सिंह, रमेश यादव ने पुरानी बुराई को मानकर ट्रैक्टर ड्राइवर राकेश आदिवासी से झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया है। शत्रुघ्न सिंह का कहना है कि घटनास्थल पर 20 से 25 लोग थे ना ही मैंने कोई झगड़ा किया है ना ही किसी के साथ मारपीट की है।

युवक बोला- मैं पढ़ा लिखा नहीं हूं, मुझसे जबरन हस्ताक्षर कराए: ट्रैक्टर ड्राइवर राकेश ने बताया कि मैं पढ़ा लिखा नहीं हूं गांव के ही रमेश यादव का मजदूरी से ट्रैक्टर चलाता हूं।

20 नवंबर को ट्रैक्टर खेत में फस गया था तभी शत्रुघ्न और अभिषेक ने मदद करते हुए ट्रैक्टर निकलवाया था, उसी समय ट्रैक्टर पत्थर में लग गया जिससे ट्रैक्टर में खरोच आ गई थी जिस वजह से रमेश यादव नाराज हो गया और मुझे थाने ले गया और उसने एक कागज पर साइन करवा जिस पर थाना पुलिस ने शत्रुघ्न सिंह पर झूठा मामला दर्ज कर दिया गया है, इसीलिए मैं आज एसपी ऑफिस में शिकायत करने आया हूं।

थाना प्रभारी बोले- मैंने जांच के बाद दर्ज की एफआईआर: राजनगर थाना प्रभारी सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि आवेदक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था, मैंने जांच के बाद ही एफआईआर दर्ज की है। वहीं, एडिशनल एसपी विक्रम सिंह ने बताया कि इस मामले में आपके माध्यम से जानकारी मिली है, इसमें जांच की जाएगी, जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सरई बाजार से हटाया अतिक्रमण

लोगों ने किया हल्का विरोध, तहसीलदार के साथ मौजूद रहा प्रशासनिक अमला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के सरई मुख्य बाजार में शुक्रवार को नगर परिषद की टीम और तहसीलदार की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। तहसीलदार चंद्रशेखर मिश्र ने बताया कि लगातार सरई का बाजार इलाका अतिक्रमण होने की वजह से जाम रहता था। आए दिन दुर्घटनाएं होती थी और कई बार विवाद की स्थिति भी बन जाया करती थी। क्योंकि यह मार्ग सरई को बैढ़न जिला मुख्यालय से और दूसरी तरफ सीधी और ब्यौहारी को भी जोड़ता है और यहां पर भारी वाहन भी चलते हैं।

लेकिन बाजार में दुकानदारों ने कब्जा कर लिया गया था, जिसे हटाने की लगातार मांग की जा रही थी। इस पर शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए सरई थाने की पुलिस और सरई नगर परिषद के सीएमओ और उनके स्टाफ के साथ मिलकर इस कब्जे को हटाया गया है। लोगों ने हल्का विरोध भी किया लेकिन नपा ने अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया। स्थानीय व्यापारियों और लोगों को इस बात का कड़ा संदेश भी दिया गया है कि कोई भी दुकानदार अपनी दुकान के बाहर न ही कोई शेड लगाएं और न ही दुकान का सामान बाहर सड़क तक लेकर आए। इस दौरान कुछ पक्के निर्माण भी सड़क पर कर लिए गए थे, जिन्हें आज तोड़ दिया गया है।

घर में खड़ी बाइक को लगाई आग, बाइक के साथ कमरे का सामान भी जला, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल में घर में खड़ी बाइक को अज्ञात बदमाश ने आग के हवाले कर दिया। घटना बीती गुरुवार रात गोहपारू थाना क्षेत्र के देवरी नंबर 2 की है। शिकायत पर पुलिस ने शुक्रवार को अज्ञात आरोपी पर आगजनी का मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रावेंद्र सिंह पिता बैजनाथ सिंह निवासी देवरी नंबर 2 ने पुलिस को शिकायत कर बताया कि उसके घर के पहले कमरे में खड़ी बाइक को अज्ञात व्यक्ति ने आग लगाकर जला दिया।

शिकायतकर्ता ने पुलिस से बताया कि वह गुरुवार शाम अपने घर के पहले कमरे में रोज की तरह अपनी बाइक खड़ी कर अंदर के कमरे में सोने चला गया, जब शुक्रवार सुबह उठा तो उसकी बाइक जलकर राख हो गई थी। आसपास आग लगी हुई थी, जिसे पानी डालकर बुझाया है।

पुलिस ने बताया कि शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा की बाइक जलकर राख हो गई थी और जो कमरे में खड़ी थी। उस स्थान पर भी आग लगी थी। पुलिस ने मामले पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर पड़ता शुरू कर दी है।

गोहपारू थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने बताया कि आगजनी का मामला सामने आया है। बाइक में आग लगाई गई है, शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज कर पड़ताल की जा रही है। पुलिस की मौके पर भेजी गई है।

धनपुरी-बुढ़ार मार्ग पर कार-बाइक की टक्कर

दो अलग-अलग बाइक सवार अनियंत्रित होकर नाली में जा गिरे

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल के एक धनपुरी-बुढ़ार मार्ग पर शुक्रवार को तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह नाली में जा गिरे। बाइक सवार दोनों व्यक्तियों को चोट आई है। सड़क पर गलत साइड से आ रहे कार चालक की ठोकर से दो अलग-अलग बाइक सवार हादसे का शिकार हो गए।

जानकारी के मुताहबिक सफेद रंग की कार धनपुरी से बुढार की ओर आ रही थी, जबकि बाइक क्रमांक एमपी 65एमए 7634 में सवार दो व्यक्ति बुढार से धनपुरी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नरगड़ा बैरियर के आगे कार अनियंत्रित होकर गलत साइड आ गयी और तभी सामने से आ रहे दो बाइक सवारों को कार से ठोकर लग गई । इनमें से एक बाइक में सवार दोनों व्यक्ति गाड़ी से गिरते ही नाली में जा गिरे। वहीं पीछे आ रही एक अन्य बाइक सवार को भी हलकी चोट आई है।

नाली में गिरे दोनों व्यक्तियों को लोगों ने बाहर निकाला: नाली में गिरे दोनों व्यक्तियों को लोगों ने बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद कार चालक को थाने ले जाया गया। बाइक सवार घायल अनूपपुर के रहने वाले बताए जा रहें है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है।

अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। 27 नवंबर को भारत सरकार द्वारा देश भर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गई। जिस अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी रीवा द्वारा पचास गांवों में जागरूकता एवंशपथ कार्यक्रम आयोजित कियेगए । गौरव तलब करने बात है कि एक्सेस टू ज्याटिस फॉर चिल्ड्रन प्रोगाम के तहत जस्ट टाइट संस्था के साथ जुड़ कर बाल अधिकारों के लिए भारत के 416 जिलों के यह कार्यक्रम चलाया जरहा है । इसी में तहत रीवा एवं मऊगंज जिले में भी बाल विवाह एवं बाल अधिकारों के लिए जागरूकता एवं हस्तक्षेप अभियान चलाया जरहा है । जिसके तहत रीवा जिले के रायपुर कर्चुलियान , जवा ब्लाक , विभिन्न स्कूलों ग्रामपंचायतों में इसे कार्यक्रम आयोजित किए जारहे है। कल ग्राम पंचायत सगरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत रीवा की अध्यक्ष नीता कोल, प्रमुख अतिथि बीएसपी प्रतिभा शर्मा, सहायक संचालक महिला बाल विकास विभाग आशीष द्विवेदी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष विभा पटेल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी स्वाति श्रीवास्तव, शायर सिद्धार्थ श्रीवास्तव, एडवोकेट अनीश पाण्डेय, ब्लॉक परियोजना अधिकारी अंजना सिंह अहिंसा वेलफेयर सोसायटी एवं समग्र जन चेतना विकाश परिषद रीवा जिला समन्वयक सुमित सिंह व ग्राम पंचायत की सरपंच सावित्री पाल उपस्थित रही।

कार्यक्रम मे अतिथियों द्वारा बेटियों को बेटे के समान अवसर देना चाहिए साथ वह शिक्षित होकर बड़े-बड़े पद पर पहुंच रही हैं साइबर अपराध के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया यदि महिलाओं के साथ कोई घटना होती है निःसंकोच पुलिस से मदद लेने की अपील की गई साथ ही बाल विवाह बाल श्रम समाज के लिए कलंक है इसके लिए हम सबको मिलकर कार्य करने की जरूरत है इस कार्यक्रम में शायर सिद्धार्थ श्रीवास्तव राजरखन बलेन्द्र चक्रपाणि समग्र जन चेतना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान की शुरुआत जिले पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह द्वारा बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलवा के किया गया ।इसके उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में 80 से ज्यादा ग्रामपंचात सरपंचों एवं सक्षम अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ ।शाम को विवेकानंद पार्क रीवा में भी शपथ दिलवाया गया।

मुम्बई से नाबालिग को खोज कर पुलिस ने किया परिजनों के सुपुर्द

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। चौकी खड्डी पुलिस द्वारा नाबालिग अपहता को 1400 किलोमीटर दूर मुम्बई से दस्तयाब कर किया परिजनों कें सुपुर्द। बताया गया कि फरियादी चौकी खड्डी थाना रामपुर नैंकिन सीधी उपस्थित आकर इस आशय की रिपोर्ट लेख कराया कि मेंरी नाबालिग लडकी आज सुबह घर से बिना बतायें कही चली गई है जिसकी पता तलाश आस पड़ोस नाते रिस्तेदारी सभी जगह कि पर कही नही मिली, लगता है कोई अज्ञात व्यक्ति मेरी नाबालिग लड़की को बहला फुसालकर भगा ले गया है। फदियादी की रिपोर्ट पर थाना चौकी खड्डी थाना रामपुर नैकिन में धारा 137/2 भारतीय न्याय संहिता का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना अपहता की उपस्थिति मुम्बई महाराष्ट्र में होने पर एक टीम गठित कर रवाना किया गया जो टीम दिनांक 27 नवंबर को अपहता दस्तयाब कर वैधानिक कार्यवाही उपरांत उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

एलडीएम रीवा की अध्यक्षता में बीएलबीसी की मीटिग हुई संपन्न

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। एनआरएलएम सभागार जवा में त्रैमासिक समीक्षा बैठक यानी बीएलबीसी की अध्यक्षता जगमोहन सर एलडीएम रीवा द्वारा कि गयी तथा आरसेटी डायरेक्टर रीवा एम जे राव जिला कोऑर्डिनेटर वित्तीय साक्षरता संतोष कुमार मिश्र एनआरएलएम से किरण सिंह यूनियन बैंक से वसंत कुमार उपस्थित रहे मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे एलडीयम रीवा ने सभी बैंकों के अधिकारियों तथा विभागों के अधिकारियों की एक-एक करके समीक्षा की और कहा की जिसको कोई भी समस्या हो बता सकते हैं लोगों ने अपनी-अपनी बातें बताई तब एलडीएम ने सख्त निर्देश दिए जितनी भी सरकार योजनाएं हैं उनको लागू करने के लिए जो भी आवेदन आते हैं उनका विधिवत रजिस्ट्रेशन कराये ऑनलाइन कराये और यदि पात्र हैं तो उनकी स्वीकृति करें और यदि किसी कागज की कमी की वजह से नहीं होता है तो उनसे बात करके कागज का मगबा लें और यदि विशेष कारण से रिजेक्ट हो रहा है तो उसकी विधिबत कारण बता कर आवेदक को रिजेक्ट कर संबंधी व्यक्ति को सूचित करें कि आपका इस वजह से आवेदन निरस्त किया जा रहा है कोई पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न हो यह विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है इसमें विभाग एवं बैको दोनों का विशेष सहयोग चाहिए तथा वर्तमान में भारत सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2024 से 15 जनबरी 2025 तक जन सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है जिसमें 18 साल से 70 साल के बीच हर खाता धारक के खाते में ?20 बीमा होना चाहिए लोगों को जागरूक करें बताएं यह दुर्घटना बीमा है बीमित व्यक्ति की मृत्यु आकस्मिक दुर्घटना में होती है तो उसके नॉमिनी को बैंक के माध्यम से 200000 सरकार देगी गरीबो के लिए यह बहुत बड़ी मदद है इसी तरह से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा जिसमें की 18 साल से 50 साल का हर कोई करा सकता है और उसकी किसी भी तरह की मृत्यु होने पर 200000 नॉमिनी को मिलेंगे इसी तरह अति महत्वपूर्ण योजना है अटल पेंशन योजना 18 साल से 40 साल के बीच का हर कोई व्यक्ति अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अटल पेंशन के रूप में थोड़ी बचत करता रहे ताकि बुढ़ापे में उसके 60 वर्ष पूरा होने पर पेंशन के रूप में मिले और उस व्यक्तित्व के पश्चात उसकी पत्नी को उनकी भी मृत्यु होने पर बच्चों को 850000 बैंक के माध्यम से दिए जाएंगे जो यह बड़ी रकम है इसी तरह से बहुत सारी योजनाये हैं प्रयास करें कि लोग इसका सत प्रतिशत लाभ ले जिला कोऑर्डिनेटर मिश्र ने कहा की सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं आम जनता के लिए और हम लोगों को जनता को लाभ देने के लिए सेवा भावना के तहत कार्य को करना चाहिए कार्यक्रम में यूनियन बैंक, मध्याचल ग्रामीण बैंक ,एनआरएलएम, राजेश कुमार द्विवेदी ,सहित जवा ब्लॉक की बैंक सखी एवं बैंक मित्र उपस्थित रही।

गंगेव जनपद की पंचायतों के आवारा पशुओं को भेजा जायेगा हिनौती गौधाम गौशाला

मीडिया ऑडीटर, गंगेव निप्र। जनपद पंचायत गंगेव के सभागार में शुक्रवार को मनगवां विधायक इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति एवं जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें हिनौती गौधाम गौशाला के संबंध में वृस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर मनगवां एस.डी.एम पी.एस.त्रिपाठी एवं गौ शाला के प्रबंधक राजेश पाण्डेय सहित सभी पंचायतों के सरपंच एवं सचिव उपस्थित रहें। इस अवसर पर किसानों के हित को देखते हुए सर्व सम्मति प्रस्ताव पारित हुआ हैं कि सभी लोगों के जन सहयोग से आवारा पशुओं को हिनौती गौधाम गौशाला भेजा जायेगा एवं सभी के सहयोग से आवारा पशुओं को रहने खाने की व्यवस्था की जायेगी जिससे किसानों की फसलों को बचाया जा सके। इस अवसर पर सर्व सम्मति प्रस्ताव में किसानों से पैरा न जलाने का विशेष आग्रह किया गया हैं। एवं धान के पैरा को हिनौती गौ धाम गौ शाला भेजने का विशेष आग्रह किया गया हैं। इस कार्य को सफलता की ओर ले जाने के लिए जन जन की भागीदारी हैं। जिसमें सभी पंचायतों के पंच सरपंच एवं सचिव के साथ जन जन का विशेष योगदान होगा। आवारा पशुओं को हिनौती गौधाम गौशाला में आश्रय दिलाने मे आप सभी बढ़ चढ़ कर अपना अपना योगदान दे। जिससे किसानों की फसलों को बचाया जा सकें।

विवाह का वादा कर दुष्कर्म करने वाले भाई को मिली बीस वर्ष कठोर कारावास की सजा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की न्यायालय के द्वारा आरोपी निवासी अंतर्गत चौकी मडवास थाना मझौली जिला सीधी को पॉक्सो एक्ट की धारा 3 सहपठित धारा 4/2 के आरोप में बीस वर्ष का कठोर कारावास एवं 20,000 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। बताया गया कि 6 जून 2023 को 16 वर्षीय अवयस्क अभियोक्त्री के माता-पिता के रिश्तेदारी में गये थी। रात्रि करीबन 1 बजे आरोपी ने अभियोक्त्री को फोन करके पंचायत भवन के पास बुलाया, तब अभियोक्त्री उससे मिलने गई तो आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इससे पहले भी तीन-चार बार शादी का झांसा देकर उसे पंचायत भवन के ही पास बुलाकर उसके साथ दुष्कम किया था। आरोपी रिश्ते में उसका भाई लगता है। जब भी आरोपी उसे बुलाता था तो अभियोक्त्री बलात्कार करने से मना करती थी तो आरोपी उसे बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देता था। तब अभियोक्त्री के मम्मी पापा से सारी बात बतायी और पीड़िता के परिजन आरोपी को समझाने की कोशिश कियें तो उन्हे भी आरोपी बदनाम करने की धमकी देने लगा। ऐसे में पीड़िता के परिजन थाना मझौली रिपोर्ट कियें। जिसके न्यायालयीन विशेष सत्र प्रकरण में शासन की ओर से सशक्त पैरवी करते हुए जिला लोक अभियोजन अधिकारी भारती शर्मा द्वारा आरोपी को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया।

अवैध रेत के साथ मिनी ट्रक जब्त, रामनगर पुलिस ने चालक और मलिक पर दर्ज किया मामला

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले की रामनगर पुलिस ने शुक्रवार को अवैध रेत से भरे मिनी ट्रक को जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने अवैध रेत का परिवहन करने वाले आरोपी मालिक और चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है। रामनगर थाना प्रभारी अमर वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को मिनी ट्रक चालक पौराधार से रामनगर की ओर रेत को लोड कर ले जा रहा था द्य न्यू डोला पेट्रोल पंप के पास नाकाबंदी के दौरान टिपर वाहन क्र. एमपी 65 जीए -1711 को रोककर रेत के दस्तावेज मांगे गए।

विचार

समय रहते जांच और उपचार से जीवन रक्षा

फ्लोरोसिस एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पानी में फ्लोराइड की अधिकता है, जिसके चलते हड्डियां, दांत, किडनी और अन्य शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इस रोग से प्रभावित लोग, विशेष रूप से गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में हैं, जहां पानी की खपत अधिक होती है। भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है, जहां लोग हैंडपंप या कुओं का पानी उपयोग करते हैं। फ्लोरोसिस के कारण लोगों की हड्डियां कमजोर हो रही हैं, जिससे रीढ़ और शरीर के अन्य हिस्सों की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी हो गई हैं। बच्चों के दांतों में पीलापन, छेद या टूटने की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, हड्डियों में सूजन, जोड़ों में दर्द, घुटनों में सूजन और झुकने या बैठने में कठिनाई जैसे लक्षण भी देखे जा रहे हैं। इसके साथ ही पेट भारी रहना, कब्ज, प्यास न बुझना और किडनी के रोग भी बढ़ रहे हैं। अक्सर लोग हड्डियों के दर्द को गठिया समझ लेते हैं, लेकिन ये फ्लोरोसिस के लक्षण हो सकते हैं। फ्लोरोसिस मुख्य रूप से दांतों को प्रभावित करने वाली एक कास्मेटिक स्थिति है, जो जीवन के पहले आठ वर्षों में फ्लोराइड के अधिक सेवन के कारण होती है, जब दांत बन रहे होते हैं। भारत के कई राज्य भूजल में फ्लोराइड की अधिक मात्रा से प्रभावित हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु प्रमुख हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, पानी के अलावा गेहूं, चावल और आलू जैसे खाद्य पदार्थों से भी फ्लोरोसिस हो सकता है। दिल्ली के कुछ इलाकों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में भी फ्लोराइड की अधिक मात्रा से लोग प्रभावित हैं।

फ्लोरोसिस के बारे में जागरूकता का अभाव इसके बढ़ने का मुख्य कारण है। जल प्रदूषण, भूमिगत जल के अत्यधिक उपयोग और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ने इस बीमारी को फैलने का मौका दिया है। शोध से पुष्टि हुई है कि फ्लोरोसिस किसी भी उम्र में हो सकता है, और यदि समय रहते इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर हो सकता है। बच्चों में डेंटल फ्लोरोसिस अधिक होता है, जिसके कारण उनके दांत कमजोर, पीलापन, छेद, धब्बे और गैप की समस्या उत्पन्न होती है। फ्लोरोसिस शरीर में पोटेशियम की वृद्धि और कैल्शियम की कमी का कारण बनता है। विशेषज्ञों के अनुसार फ्लोरोसिस होने के बाद किसी भी व्यक्ति का सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो जाता है। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि फ्लोरोसिस होने ही नहीं दिया जाए।

भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

प्रह्लाद सबनानी

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है। इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याग्वल्य की याग्वल्य स्मृति में कहा गया है कि 'अर्थशास्त्रास्तु बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थिति'। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए।

कौटिल्य, नारद एवं याग्वल्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मृडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है 'अगेन्स्ट द स्ट्रीम'। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अधय्यन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है।

प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने 'निघंटू' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। 'ब्लैक मनी' नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मग्लिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए काम में लेना, अपने परिवार के लिए मौज मस्ती करना, आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ उपयोग करना चाहिए।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मर्यादा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती।

अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाई चारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल 'मैं' ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं 'हम' सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे।

प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के पश्चात किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है।

अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में संवेदना होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता है, हंसता है, प्रसन्न होता है, नाराज होता है, इसी प्रकार की संवेदनाएं पेड़ पौधों में भी पाई जाती हैं। सर जगदीश चंद्र बसु ने वैज्ञानिक तरीके से जब यह सिद्ध किया तो दुनिया में तहलका मच गया। जबकि भारतीय शास्त्रों में तो इन बातों का वर्णन सदियों पूर्व ही मिलता है। जब इन तथ्यों को वैज्ञानिक आधार दिया गया तो अब पूरी दुनिया भारत के इन प्राचीन विचारों पर साथ खड़ी नजर आती है। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए यह बार बार कहा है कि पेड़ पौधों की रक्षा करें, इन्हें काटें नहीं। क्योंकि, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होती ही है, साथ ही, पेड़, पौधों के रूप में एक प्रकार से किसी प्राणी की हत्या करने से भी बचा जा सकता है। भारतीय संस्कृति में यह भावना रही है कि व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास हो एवं उसे पूर्ण सुख की प्राप्ति हो। इसलिए, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ही देश में सामाजिक एवं आर्थिक रचना होनी चाहिए। प्राचीन भारत में इसी नाते व्यक्ति को मान्यता देने के साथ साथ परिवार को भी मान्यता दी गई है। परिवार को समाज में न्यूनतम इकाई माना गया है। व्यक्तियों से परिवार, परिवारों से समाज, समाज से देश और देशों से विश्व बनता है। अतः कुटुंब को भारतीय समाज में अत्यधिक महत्व दिया गया है। भारतीय शास्त्रों में कुल मिलाकर यह वर्णन मिलता है कि प्राचीन भारत के लगभग प्रत्येक परिवार में गाय के रूप में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध रहता था जिससे प्रत्येक परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से हो जाती थी। गाय के गोबर एवं गौमूत्र से देसी खाद का निर्माण किया जाता था जिसे कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता था एवं गाय के दूध को घर में उपयोग करने के बाद इससे दही, घी एवं मक्खन आदि पदार्थों का निर्माण कर इसे बाजार में बेच भी दिया जाता था।

बाल विवाह से मुक्ति बेटियों को देगा खुला आसमान

ललित गर्ग

देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं? हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नये भारत-सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केन्द्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला आसमान देने में सक्षम होगा।

यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। यह बचपन की मासूमियत छीनने वाली 'बालविवाह' की बेड़ियों को तोड़ते हुए जागृति का एक शंखनाद किया है, एक समाज-क्रांति के बीज को रोपा गया है। सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। इसीलिये बाल-विवाह पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी है कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह को रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस जागृति-अभियान की अपेक्षा है। अब सरकार ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिये कमर कसी है, तो उसका स्वागत होना चाहिए एवं इस अभियान को व्यापक रूप देना चाहिए।

बाल विवाह की कुरीति को देश में व्यापकता से देखने को मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे खराब स्वरूप है। ठोस प्रयासों के बावजूद आज भी लगभग पांच में से एक लड़की का विवाह विधि सम्मत आयु 18 वर्ष से पहले कर दिया जाता है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही हैं, पर मंजिल अभी दूर है। बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, असम और आंध्रप्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले हैं, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं, पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती हैं तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' की भविष्य दृष्टि से प्रेरित नये समाज की संरचना का दूरगामी प्रकल्प है। बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है। इन सब दृष्टियों से यह अभियान सदियों से चली आ रही इस त्रासद परम्परा से मुक्ति का माध्यम बनेगा।

बिलासपुर में पकड़ाया बिहार का पेपर गैंग

महिला यात्रियों को करते थे टारगेट, पेपर पढने के बहाने उलझाकर चुरा लेते थे जेवर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने ट्रेन में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय पेपर गैंग को पकड़ा है। आरोपियों के पास से चोरी के गहने बरामद किए गए हैं। गैंग के सदस्य पेपर पढ़ने के बहाने ट्रेन में अकेली महिला यात्रियों को उलझाकर उनके सामान को चोरी कर लेते थे।

इससे पहले भी गिरोह के सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जब्त गहनों की कीमत 81 हजार से अधिक की बताई जा रही है। आरपीएफ के अफसरों ने बताया कि इस गैंग के सदस्यों को रायगढ़-बिलासपुर लोकल ट्रेन में हुई चोरी की घटना की जांच के दौरान पकड़ा गया।

महिलाओं के गहने चुराते थे आरोपी: पूछताछ में पता चला कि संदेही युवकों ने महिला यात्री के लेडीज पर्स की चेन खोलकर उसमें से रखे एक गले का हार, कान की बाली और पाजेब पार किया था। तीनों युवक संदिग्ध रूप से बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर घूम रहे थे।

बताया जा रहा है कि इसी समय बिलासपुर-टिटलागढ़ लोकल ट्रेन आने वाली थी। इस दौरान आरपीएफ का शक गहराया। आरोपियों से पूछताछ करने पर युवक गोलमोल जवाब देने लगे। सख्ती से पूछताछ के बाद युवक टूट गए। उन्होंने बताया कि वो घूम-घूमकर ट्रेनों से यात्रियों का सामान चोरी करते हैं।

बिहार के रहने वाले हैं तीनों आरोपी: पहले आरपीएफ ने तीनों युवक से सामान्य पूछताछ की, जिस पर पता चला कि अमर कुमार मंडल (35) निवासी ग्राम पाडिया, जिला मुंगेर बिहार, विशाल कुमार पासवान (36) निवासी ग्राम कुमारपुर, थाना बरियारपुर जिला मुंगेर बिहार और सदानंद कुमार मंडल (22) निवासी ग्राम कमरगंज, थाना सुल्तानगंज जिला भागलपुर, बिहार के रहने वाले हैं।

इसलिए पड़ा पेपर गैंग का नाम: पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वो किस तरह पेपर पढ़ने के बहाने यात्रियों को उलझाकर उनका सामान चोरी करते थे। तीनों आरोपी एक साथ लोकल और पैसेंजर ट्रेन में चढ़ते और उन महिला यात्रियों को निशाना बनाते थे, जो अकेली या बच्चों के साथ यात्रा करतीं थी।

गैंग का एक सदस्य यात्रा के दौरान महिला यात्री के साथ बैठकर बातचीत में उलझाकर रखता था और दूसरा अखबार पढ़ने के बहाने उसे फैलाकर बैग को ढंक देता। फिर तीसरा सदस्य बैग के पास बैठकर अखबार की आड़ में ट्राली बैग या हैंड बैग को स्क्रू ड्राइवर से खोलकर अंदर रखे सामान को चोरी कर अपने पिट्ठू बैग में रख देता था।

इसके बाद खोले गए बैग की चेन को वापस फेवी क्विक लगाकर चिपका देते थे। इसके साथ ही वेसलीन लगाते हुए चेन को बंद कर देते। घटना को अंजाम देकर तत्काल अगले स्टेशन पर उतर कर भाग जाते थे।

बिहार में बेचते थे सामान, कई बार जा चुके हैं जेल: चोरी के गहनों व सामान को गैंग के सदस्य बिहार के मुंगेर ले जाकर खपाते थे। उनके चोरी के सामान को खरीदने के लिए स्थानीय कारोबारी तैयार रहते हैं। पूछताछ में पता चला कि इससे पहले भी आरोपियों को कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है।

पता चला है कि पूर्व में भी वर्ष 2012 से अभी तक कई यात्री सामान चोरी में देश के विभिन्न राज्य जीआरपी मिर्जापुर, जीआरपी जबलपुर, जीआरपी डाल्टनगंज, जीआरपी बरियारपुर, जीआरपी गढरवारा में गिरफ्तार होकर जेल में जा चुके हैं।

लड़की की आवाज में बातकर रेलकर्मी से 20 लाख ठगे

मैजिक-वूमेन-ऐप से करते थे बात, रायगढ़ के शातिरों ने सुसाइड की धमकी देकर की वसूली

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रायगढ़ के 3 शातिर ठगों ने रेलवे कर्मचारी से 20 लाख की ठगी की है। आरोपियों ने फेसबुक पर लड़की के नाम पर फेक आईडी बनाई। चैट कर रेल कर्मचारी को झांसे में लिया। मैजिक वूमेन ऐप के जरिए लड़की की आवाज में बात कर अलग-अलग बहानों से पैसों की डिमांड की।

शातिरों ने रेलवे कर्मचारी को सुसाइड की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। लड़की के नाम सुसाइड नोट भेजा। रेलकर्मी की शिकायत पर जांच के दौरान पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 2 लाख कैश, मोबाइल, लैपटॉप, एसी सहित चार लाख 65 हजार रुपए का माल बरामद किया गया है।

एडिशनल एसपी सिटी राजेंद्र जायसवाल ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पाली में रहने वाले मुरली प्रसाद पटेल रेलवे में

पदस्थ हैं। वो रेलवे क्षेत्र के केंद्रीय विद्यालय के पास रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके फेसबुक पर एक लड़की के नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आया, जिसके बाद वो कुछ दिन चैटिंग कर उससे बातचीत करते रहे।

लड़की समझकर की बात, लुटाते रहे पैसे: इस दौरान रेलकर्मी ने कथित लड़की से फोन पर भी बात करते रहे। इस दौरान कथित लड़की उससे अलग-अलग बहानों से पैसों की डिमांड करती रही। वहीं, रेलकर्मी भी लड़की समझकर उसके बताए गए अकाउंट और फोन-पे पर पैसे जमा कराते रहा।

पुलिस की जांच में सामने आया जालसाजों का कारनामा: पुलिस ने जब केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की, तब पता चला कि आरोपी रायगढ़ के रहने वाले हैं। इसके आधार पर पुलिस की टीम ने रायगढ़ में दबिश देकर प्रीतम महंत (26) निवासी ग्राम जकेला, कामेश साव (24) निवासी कोडातराई और जकेला निवासी हेमसागर पटेल को गिरफ्तार कर लिया।

लड़की की आवाज के लिए वूमेन मैजिक ऐप का किया इस्तेमाल

सिटी कोतवाली सीएसपी अक्षय सबद्रा ने बताया कि एक हजार रुपए में वूमेन मैजिक ऐप डाउनलोड किया था। इसमें उनकी आवाज लड़कियों की तरह हो जाती थी। ज्यादा रुपए ऐंठने के लिए वे लोगों को रायगढ़ बुलाकर नाबालिग लड़की से भी मिलाते थे। इस दौरान पैसे मंगाने के लिए दूसरे के अकाउंट और फर्जी सिम का उपयोग करते थे।

ठगी की रकम से खरीदे मोबाइल, जेवर और एसी: पुलिस की टीम ने आरोपियों से पूछताछ की तो पता चला कि युवकों ने ठगी की रकम से मोबाइल, सोने-चांदी के जेवर, एसी और अन्य सामान खरीद लिए थे। इसके अलावा उन्होंने ठगी की रकम को खाने-पीने में उड़ा दिए।

पुलिस ने आरोपी युवकों के कब्जे से करीब दो लाख 60 हजार कैश के साथ ही मोबाइल, लैपटॉप, एसी, वाशिंग मशीन, सोने की अंगूठी, चांदी की चेन, ब्रेसलेट बरामद किया है।

11 लोगों से कर रहे थे बात, हो रही पूछताछ: पुलिस की टीम ने आरोपियों के मोबाइल की जांच की है। इसमें पता चला है कि आरोपित युवक 11 लोगों से मोबाइल पर बातचीत करते थे। फिलहाल उनसे रुपए के लेनदेन की जानकारी नहीं मिली है। पुलिस की टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इसमें और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं। इसके अलावा आरोपियों के बैंक खातों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

ओवरब्रिज निर्माण के लिए मकानों को तोड़ने नोटिस

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर नगर निगम के प्रवीर वार्ड में ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी जद में लगभग 19 मकान आ रहे हैं। अब प्रशासन ने इन मकानों को तोड़ने नोटिस भी थमा दिया है। ऐसे में मामले ने सियासी तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस कमेटी ने पुल निर्माण से पहले हुए सर्वे को गलत ठहराया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि, ह्यI-30 पर खड़कघाट मार्ग पर ब्रिज का निर्माण काम चल रहा है। सरकार को ब्रिज निर्माण से पहले सड़क के दोनों तरफ पूर्व और पश्चिम में सर्वे करवाया जाना था, लेकिन सिर्फ पूर्व में ही सर्वे किया गया था। जिन मकानों को तोड़ने के लिए अब नोटिस थमाया जा रहा है वे वहां करीब 50 सालों से निवासरत हैं।

30 साल का मिला है पट्टा: राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत साल 1998 में 30 साल का पट्टा मिला हुआ है।

ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, मां-बेटे की मौत

महिला ने जिला अस्पताल में तोड़ा दम, ग्रामीणों ने ड्राइवर और सहयोगी को जमकर पीटा

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में स्टेट हाइवे के पास दोपहर 12 बजे ट्रक ने बड़ी मां और डेढ़ माह के दुधमुहे बच्चे को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर मौत हो गई। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम जनकपुर का है। बताया जा रहा है कि ते रफ्तार ट्रैक्टर स्टेट हाईवे के बगल में बने एक घर में जा घुसा। ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चे ने मौके पर दम तोड़ दिया। वहीं 55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया।

हादसे से आक्रोशित ग्रामवासियों ने वाहन चालक और उसके एक सहयोगी को घटना स्थल पर ही रस्सी से बांध कर मारपीट की। घटना की जानकारी मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। उपस्थित भीड़ को समझाइश देकर ट्रैक्टर को जब्त किया। पुलिस ने बताया कि हादसे में दोनों की मौत हो गई है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

बांध में डूबने से मां-बेटी की मौत, नहाते वक्त गहराई में समाई युवती, मां ने बचाने लगाई थी छलांग, गोताखोरों ने निकाली लाश

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर निप्र। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बांध में डूबने से मां-बेटी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बेटी को डैम में डूबते देखकर मां ने छलांग लगाई थी, लेकिन गहराई में जाने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके। मामला पस्ता थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत पुटसु निवासी सरिता यादव (18) अपनी मां उर्मिला यादव (40) के साथ गांव के बाहर बने बांध में नहाने और कपड़ा धोने के लिए गई थी। इसी दौरान दोनों की डूबने से जान गई है।

बांध किनारे कपड़े देखने से हुई आशंका: बताया जा रहा है कि बांध में बेटी ने निकलने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं निकल सकी। मां भी बेटी को बचाने के चक्कर में गहराई में समा गई। जब दोनों शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजन खोजते हुए बांध आए। यहां दोनों के कपड़े बाहर पड़े थे।

इस दौरान परिजनों ने दोनों के डूब जाने की आशंका पर ग्रामीणों और पस्ता पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। पस्ता थाना प्रभारी विमलेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

गोताखोरों ने निकाला शव: रेस्क्यू टीम ने दोनों के शवों को बाहर निकाला। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया जाएगा।

तहसीलदार को व्यापारी ने जड़ा थप्पड़

अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे, दुकान के बाहर रखे सीमेंट सीट को लेकर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में अतिक्रमण हटाने निकले तहसीलदार को व्यापारी ने थप्पड़ जड़ दिए। मामला मनेन्द्रगढ़ का है। जानकारी के मुताबिक तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त बीते एक सप्ताह से शहर के विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने राजस्व, नगरपालिका और पुलिस की टीम के साथ शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंच रहे हैं।

शुक्रवार को भी अतिक्रमण पर कार्रवाई करने तहसीलदार शहर के मौहारपारा इलाके के गोपाल शीत गृह के पास पहुंचे। इसी दौरान तहसीलदार और व्यापारी नितिन अग्रवाल के बीच दुकान के बाहर से सीमेंट सीट हटवाने को लेकर आपस में बहस हो गई। गाली-गलौज के बाद व्यापारी ने तहसीलदार को थप्पड़ जड़ दिए।

जिसके बाद पुलिस ने नितिन अग्रवाल को हिरासत में लिया है। तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त के साथ

राजस्व अमला भी थाने पहुंचा। तहसीलदार ने मामले की रिपोर्ट लिखाई है।

इसलिए हुआ विवाद: मिली जानकारी के अनुसार नितिन अग्रवाल के सीमेंट, छड़ की दुकान है। दुकान के बाहर नेशनल हाईवे की नाली है। नाली में दुकान का सीमेंट सीट रखा हुआ था, जिसे वहां मौजूद पटवारी दीपेंद्र सिंह ने हटाने के निर्देश दिए। नितिन सीमेंट सीट हटा रहे थे, इस बीच तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त ने तेज भाषा का प्रयोग करते काम जल्दी करने कह दिया। इस पर नितिन अग्रवाल भड़क गए। उन्होंने तहसीलदार को थप्पड़ जड़ दिया।

तहसीलदार ने छीना था व्यवसायी का मोबाइल: आपको बता दें कि बीते सप्ताह अतिक्रमण हटाने के दौरान भी तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त विवादों में थे। उन्होंने एक व्यवसायी का मोबाइल छीन लिया था, जिसे बाद में व्यवसायी को लौटा दिया गया। नदीपार इलाके में अतिक्रमण हटाने के दौरान व्यवसायी प्रियम केजरीवाल ने बगैर नोटिस के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर मोबाइल चालू कर वीडियो बनाते हुए तहसीलदार से सवाल किया था। जिसके बाद आवेश में आकर तहसीलदार ने युवक का मोबाइल छीन लिया था

मनरेगा में संविदा पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। आयुक्त महात्मा गांधी नरेगा व्दारा 08 अक्टूबर 2024 के तहत प्राप्त स्वीकृति एवं निर्देशानुसार, जिला स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन उपरांत अनुशंसा के आधार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जिला स्तर पर समन्वयक (तकनीकी), कम्प्यूटर प्रोग्रामर एवं लेखापाल के संविदा 01-01 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं वांछित अर्हताधारी अभ्यर्थी अपना आवेदन 16 दिसम्बर को अपराह्न 5:30 बजे तक कार्यालय परियोजना निदेशक, ग्रामीण विकास प्रशासन योजना, जिला पंचायत (डीआरडीए), द्वितीय तल, कार्यालय सहायक आयुक्त राज्य कर, कोरिया वृत्त, मनेन्द्रगढ़, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) के नाम से पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया, पदों की संख्या, निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आवेदन पत्र प्रारूप एवं अन्य विवरण संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए जिला कार्यालय परियोजना निदेशक ग्रामीण विकास प्रशासन योजना, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सूचना पटल अथवा जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इच्छुक अभ्यर्थी समय सीमा का पालन करते हुए अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है ।

आगामी नगरपालिका एवं पंचायत चुनाव 2024-25 के लिए अधिकारियों का हुआ कार्य विभाजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के आदेशानुसार आगामी नगरपालिका तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 की तैयारी एवं निर्वाचन संबंधित कार्यों हेतु 14 नवंबर 2024 को जारी निर्देश में आंशिक संशोधन करते हुए अधिकारियों के मध्य कार्यों का विभाजन किया गया है। कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला प्रभारी अशोक वाडेगावकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दी गई है। जाबो कार्यक्रम, मतगणना, विकासखंड स्तर पर नाम निर्देशन प्राप्ति एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति और अन्य चुनावी व्यवस्थाओं के लिए नितेश उपाध्याय, परियोजना निदेशक डीआरडीए को जिला प्रभारी बनाया गया है। सभी नगरीय क्षेत्र के जाबो कार्यक्रम की जिम्मेदारी राम प्रसाद आचला, नगर निगम कमिश्नर को सौंपी गई है। शिकायत सेल और नियंत्रण कक्ष के लिए शैलेश गुप्ता, सहायक अभियंता को जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन कर्तव्य, मतपत्र, प्रशिक्षण, मानव संसाधन, निर्वाचन सामग्री, रिजर्व दल तथा सामग्री वितरण और वापसी का प्रभार अजय मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा गया है आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का जिला प्रभार शुभम बंसल, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को दिया गया है। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) और मीडिया संबंधी कार्यों के लिए लोकेश्वर सिंह, जिला जनसंपर्क अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। परिवहन योजना एवं रूट चार्ट का प्रभार दयानंद तिग्गा, जिला खनिज अधिकारी को सौंपा गया है। कार्मिक कल्याण कार्य के लिए रमेश सिन्हा, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। मतपेटी का कार्य देवेंद्र श्रीवास, कार्यपालन अधिकारी, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति को जिला प्रभारी का कार्य सौंपा गया है। मतपत्र मुद्रण, प्रूफ रीडिंग और निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग का दायित्व चंद्रशेखर सर्राफ, जिला कोषालय अधिकारी को दिया गया है। प्रेक्षक के तौर पर नीरज, अनुविभागीय अधिकारी (वन) को और चिकित्सा सहायता के लिए अविनाश खरे, सीएमएचओ को जिम्मेदारी दी गई है। प्रतिवेदन का कार्य सुशील तिवारी, सहायक प्राध्यापक, शासकीय विष्णु महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ को सौंपा गया है।

सरगुजा संभाग में विकासखंड स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। सरगुजा संभाग में प्रशासनिक समन्वय और जनभागीदारी को सशक्त बनाने के लिए 30 नवंबर 2024 को जनकपुर-भरतपुर ब्लॉक मुख्यालय में विकास खंड स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 11:30 बजे शुरू होगी। कार्यक्रम में आयुक्त महोदय के साथ जिला स्तरीय अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को समय पर लक्षित समुदायों तक पहुंचाना है। इसमें स्वच्छता अभियान, पंचायती राज को सशक्त बनाने, जल-जंगल-जमीन के प्रबंधन, राजस्व प्रशासन और शासकीय भूमि के संरक्षण जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। बैठक का संचालन अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार और सीईओ जनपद पंचायत की देखरेख में होगा। इस कार्यक्रम में 11:30 बजे अधिकारियों का स्वागत, 11:35 बजे दीप प्रज्ज्वलन और 11:50 बजे आयुक्त महोदय का उद्बोधन होगा। इसके बाद विभागीय योजनाओं की जानकारी और विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह बैठक शासन और समाज के बीच विश्वास बढ़ाने और प्रशासन को अधिक जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

मिशन वात्सल्य के अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन के तहत राज्य स्तरीय/जिला स्तरीय पदों पर कर्मचारियों की संविदा भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। महिला एवं बाल विकास विभाग अन्तर्गत संचालित मिशन वात्सल्य योजना के तहत् एवं चाईल्ड हेल्पलाइन संचालन हेतु जारी मानक संचालन प्रक्रिया अनुसार राज्य स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष एवं जिला स्तर पर चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट एवं रेल्वे स्टेशन पर चाईल्ड हेल्पलाइन डेस्क में विभिन्न पदों पर एकमुस्त संविदा वेतन पर भर्ती के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कोरियर के माध्यम से 27 दिसम्बर सायं 5:00 बजे तक आमंत्रित है। पदों हेतु आवेदन मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रेषित करना होगा। पदों की नियुक्ति एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, प्रथम तल, कलेक्ट्रेट कैम्पस में कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर सकते हैं। जिला चाईल्ड हेल्पलाईन युनिट मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर हेतु परियोजना समन्वय अनारक्षित 1 पद, एकमुश्त वेतन 35000, काउंसलर अनारक्षित 1 पद, एकमुश्त वेतन 25000, चाईल्ड हेल्पलाईन सुपरवाइजर अनारक्षित 1 पद, अनुसूचित जनजाति 1 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग 1 पद, एकमुश्त वेतन 22000, केस वर्कर अनारक्षित 1 पद, अनुसूचित जनजाति 1 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग 1 पद, एकमुश्त वेतन 16000 मिलेगा।

जिले में बाल विवाह के खिलाफ कैंडल मार्च निकालकर दिलाई गई शपथ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ जिसका लाइव प्रसारण का आयोजन जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर छ.ग. में महिला बाल विकास विभाग द्वारा प्रत्येक पंचायत में आम सभा बुलवाकर प्रोजेक्टर के माध्यम से संबंधित विभाग के अधिकारी की उपस्थिति में जिला महिला बाल विकास अधिकारी शुभम बंसल के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस आयोजन के सह कार्यशाला में डोमेनपारा के सरपंच भवन सिंह, डिहुली के सरपंच सोनकुंवर जी, प्रधान अध्यापक नील कुसुम कुजुर जी के अतिरिक्त हार्ड संस्था राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंसष् के साथ भागीदारी कर हार्ड संस्था के कार्यकर्ता राखी, संतोषी, कमलेश, सागर, नीता जी के साथ मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के ग्राम डोमनपारा, भालोर, डिहुली, डगौरा एवं अन्य ग्रामों में हार्ड संस्था के प्रमुख सुशील शर्मा के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत के लिए शपथ व कैंडल मार्च आदि का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत के आह्वान के समर्थन में किया गया जिसका उद्घाटन 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। इस दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया है। वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ काम करने के नाते हम भलीभांति जानते हैं कि समग्र और समन्वित प्रयासों के बिना यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती लेकिन अब हमें यह विश्वास है कि सरकार और नागरिक समाज के साझा प्रयासों से भारत 2030 से पहले ही बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

पेड़ से टकराने से तेज रफ्तार बाईक चालक की मौत

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला के बनेकेला झगरपुर के पास सड़क हादसा हुआ। जिसमें तेज रफ्तार बाईक का अनियंत्रित पेड़ से टकरा गई और चालक की मौत हो गई। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम तिलाईदरहा का रहने वाला नोहर साय 21 साल आज सुबह अपनी बाईक से लैलूंगा किसी काम से आया था। जिसके बाद दोपकर करीब 2 बजे बाईक पर सवार होकर वापस घर लौट रहा था। तभी बनेकेला झगरपुर के पास पहुंचने पर तेज रफ्तार बाईक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इससे उसके चेहरे व शरीर के अन्य हिस्से पर गंभीर चोट पहुंची और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मामले की सूचना आसपास के लोगों ने डायल 112 को दी। ऐसे में तत्काल डायल 112 के जवान मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले आए। इसके बाद मामले में लैूलंगा पुलिस शव का पंचनामा कर आगे की प्रक्रिया में जूट गई है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों ने दो आईईडी और विस्फोटक सामग्री की बरामद

पुंछ (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में तलाशी अभियान के दौरान दो आईईडी और विस्फोटक सामग्री समेत संदिग्ध सामान बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार मेंढर तहसील के छाजला पुल के नीचे एक संदिग्ध वस्तु देखे जाने की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को दो आईईडी, एक किलोग्राम से अधिक वजन का आरडीएक्स जैसा विस्फोटक पदार्थ, एक बैटरी, दो कंबल और कुछ खाने-पीने की चीजें मिली है। पूरे इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं पुंछ मेंढर मार्ग को बंद कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने इस बरामदगी को एक बड़ी सफलता करार देते हुए कहा कि यह आतंकियों द्वारा संभावित हमले की योजना का हिस्सा हो सकती है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और इलाके में सुरक्षा एजेंसियां इस मामले में जुड़े लोगों की पहचान करने और उनके इरादों का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही हैं। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के डोडा और उधमपुर जिलों में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की कथित साजिश रच रहे दो आतंकवादियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से कथित तौर पर सीमा पार आतंकी आकाओं के संपर्क में था।

सैलरी नहीं बढ़ी तो कर्मचारी ने कर दिया बड़ा कांड, 18 लाख का नुकसान, सीसीटीवी में घटना कैद

बैतूल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बैतूल में एक हैरान कर देने वाली घटना में, एक शॉपिंग मॉल के कर्मचारी ने सैलरी न बढ़ने पर मॉल में तोड़फोड़ कर लाखों का नुकसान पहुंचाया है। सीसीटीवी फुटेज में कर्मचारी को स्टील के कड़े से 11 एलईडी टीवी और 71 रेफ्रिजरेटर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करते हुए साफ देखा जा सकता है।

बैतूल के गुप्ता मॉल में हुई इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। मॉल के मैनेजर के अनुसार, कर्मचारी कमल पवार ने दीपावली से पहले सैलरी बढ़ाने की मांग की थी, जिसे ठुकरा दिया गया था। गुस्से में आकर उसने मॉल में पहुंचकर ये हरकत की। पुलिस ने कमल पवार को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन मानसिक रूप से बीमार होने का हवाला देते हुए उसे जमानत मिल गई है। मॉल मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मॉल मालिक संजय गुप्ता ने बताया, यह कर्मचारी काफी दिनों से हमारे यहां काम कर रहा था। हमने कभी उससे ऐसा व्यवहार नहीं किया। सैलरी बढ़ाने की उसकी मांग को ठुकराने पर उसने यह कृत्य किया है।

विदेशी तकनीक का प्रदेश के संस्थानों में बाजार के अनुसार होगा बेहतर उपयोग: मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी जर्मनी और यूके यात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश में राज्य के युवाओं के लिए निवेश के नए अवसरों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा यात्रा का उद्देश्य राज्य के युवाओं के रोजगार, औद्योगिकीकरण और मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना था। हमने पूरे समय का सदुपयोग किया। जर्मनी और यूके की यात्रा के बाद, मैं कह सकता हूँ कि यह यात्रा हमारे टेक्नों-फ्रेंड ऊर्जावान, प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को म्यूनिख में अपने औद्योगिक प्रायोजन संबंधी यात्रा के अंतिम दिन स्थानीय मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में किए गए प्रयासों से उन्हें न केवल सफलता मिली बल्कि समझने और सीखने का भी अवसर मिला। उन्होंने यात्रा के दौरान हर पल और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी टीम के सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम एकजुट होकर अच्छी योजना बनाते हैं, तो परिणाम भी अच्छा होता है और हमें जर्मनी से यही मिल रहा है। जर्मनी और आगे बढ़ रहा है। मैं महसूस करता हूँ कि वहां एक आंतरिक उत्साह है जो उन्हें अपनी चुनौतियों से निपटने में मदद कर रहा

है। जर्मनी अपनी तकनीक को अन्य देशों के साथ साझा करने और भविष्य की यात्रा में उसका विश्वास बनाने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी से उन्हें कई ऐसे प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे मध्यप्रदेश को इस विश्वास के साथ आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है कि राज्य अपनी पारंपरिक क्षमताओं के साथ नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़ी बात है कि कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्वास्थ्य, शिक्षा, नई तकनीक और भारी उद्योग क्षेत्रों में जर्मनी से हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जर्मनी में हो रही तकनीकी प्रगति और उद्योगों में हो रहे नवाचारों को मध्यप्रदेश में लागू करने के लिए राज्य सरकार सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। उन्होंने आशा जताई कि राज्य के लिए यह यात्रा कई नए उद्योगों, तकनीकी सहयोग और रोजगार के अवसरों के द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हुए मध्यप्रदेश को देश और दुनिया के सामने सशक्त औद्योगिक ताकत के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिपल-प्रति मिनिट हमारा लक्ष्य प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना है। हमारे बौद्धिक संपन्न युवा ही नहीं बल्कि प्रदेश के हर वर्ग के युवा को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी और यूके आर्थिक और तकनीकी रूप से साधन संपन्न देश हैं, उन्हें आवश्यकता है तो मेन पॉवर की। हमारे पास मेन पॉवर उपलब्ध है, तकनीकी रूप से दक्ष युवा है, दोनों को जोड़ने के लिए यदि जरूरत है तो भाषा की। लैंग्वेंज प्रॉब्लम को दूर कर हम एक-दूसरे के पूरक के रूप में वर्क-फोर्स बनकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ग्लोबल लीडर हैं और उनके विजन से देश आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश विकास की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जर्मनी हमारा मित्र देश है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के मध्य बेहतर समन्वय का हमें भी लाभ मिला है। जर्मन बढ़ते भारत और आगे बढ़ते मध्यप्रदेश के साथ भविष्य में व्यापार एवं उद्योग के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जर्मनी, भारत का सदैव प्रशंसक रहा है। हमारी साझा विरासत गौरवशाली रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जर्मनी के साथ हिन्दुस्तान के सौहार्द्रपूर्ण संबंधों की बात करें तो नेताजी सुभाषचंद्र बोस के समय को याद कर सकते हैं।

राज्यसभा फिर स्थगित

इस्कॉन के पुजारी की गिरफ्तारी, मणिपुर और संभल पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में शुक्रवार को भी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने मणिपुर में कानून व्यवस्था पर चर्चा करने की मांग की। कई सांसद संभल में हुए उपद्रव और उसके बाद उत्पन्न कानून व्यवस्था पर चर्चा चाहते थे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चर्चा कराने की मांग भी राज्यसभा में की गई। विपक्षी सांसद चाहते थे कि नियम 267 के अंतर्गत यह बहस कराई जाएं, लेकिन सभापति की ओर से इसकी स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। इसके बाद सदन में काफी हंगामा हुआ और कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। गौरतलब है इसी सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ था। मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का

आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम के अलावा अब तक चार दिनों में एक दिन भी सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। शुक्रवार को चर्चा के लिए विपक्ष के 17 सदस्यों ने नोटिस दिया था। सभापति जगदीप धनखड़ ने इस संबंध में बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत चर्चा के लिए 17 नोटिस दिए गए हैं। रामजीलाल सुमन, डॉ जॉन बिटास, एए रहीम व बी शिवादासन आदि सांसद संभल में हुई हिंसा और कानून व्यवस्था की स्थिति पर राज्यसभा में चर्चा चाहते थे। वहीं विपक्ष के तिरुचि शिवा, संतोष कुमार पी आदि सांसद मणिपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की मांग कर रहे थे। आम आदमी पार्टी के एक सांसद ने दिल्ली में बढ़ते अपराध को लेकर चर्चा की मांग सभापति के समक्ष रखी। आम आदमी पार्टी के ही सांसद राघव चड्ढा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के पुजारी की गिरफ्तारी पर चर्चा की मांग की।

विपक्ष के सांसद चाहते थे कि नियम 267 के तहत यह चर्चा हो। नियम 267 के तहत चर्चा होने पर सदन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर दिया जाता है। इसके साथ ही इस नियम में चर्चा के बाद वोटिंग का प्रावधान भी है। हालांकि सभापति ने इसकी अनुमति प्रदान नहीं की। इससे नाराज विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर विपक्षी सांसद अपने स्थान पर खड़े हो गए और अपनी मांग दोहराने लगे।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से चर्चा के तुरंत बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटन पत्र जारी किया

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जर्मनी यात्रा ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। गुरूवार को डॉ. यादव ने निवेशकों से मिलने के बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटित की। यह निर्णय मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। भोपाल के अचारपुरा में जर्मन कंपनी एसीईडीएस लिमिटेड को 27,200 वर्गमीटर (6.72 एकड़) जमीन आवंटित की गई है।

इस समझौते के तहत कंपनी ने भोपाल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रूपये से ज्यादा का प्रस्ताव दिया है। इस कम्पनी की स्थापना से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस उद्योग की स्थापना से एक्स-रे मशीन निर्माण एवं अन्य उपकरण, सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट सहित नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य किया

जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस यात्रा ने प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए अब ऐसा माहौल तैयार हो चुका है, जहां व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। उनकी दूरदर्शी सोच और निवेशकों के प्रति सकारात्मक रवैया ने ही जर्मन कंपनी को प्रदेश में अपने विस्तार की प्रेरणा दी है। भोपाल में जर्मन कंपनी एसीईडीएस को भूमि आवंटन मात्र एक शुरुआत है। यह साझेदारी न केवल औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाएगी, बल्कि इसे प्रदेश के समग्र विकास के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस ऐतिहासिक यात्रा ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश न केवल भारत बल्कि वैश्विक निवेश का अगला प्रमुख केंद्र बनने की पूरी क्षमता रखता है।

देश में हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन लॉन्च करने की तैयारी में है। यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच जल्द ही ट्रायल रन के लिए दौड़ेगी। इस हाइड्रोजन ट्रेन का डिजाइन रेलवे की शोध, डिजाइन और मानक संगठन द्वारा विकसित किया गया है। डिजाइन को दिसंबर 2021 में अंतिम रूप दिया गया था। इस ट्रेन का अंतिम ट्रायल अगले साल की पहली तिमाही में होने की संभावना है।

एक की रिपोर्ट के मुताबिक, आरडीएसओ के महानिदेशक उदय बोरवंकर ने कहा, आरडीएसओ लगातार नए और अभिनव प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता है। हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग सड़क परिवहन में सफल रहा है। रेलवे में अभी तक इसका व्यापक उपयोग नहीं हो सका है। भारत का यह प्रयास टिकाऊ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि होगी।

इस ट्रेन में 8 यात्री डिब्बे होंगे, जिनमें एक बार में 2,638 यात्री यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन की अधिकतम गति 110 किमी/घंटा होगी। इसमें तीन डिब्बे हाइड्रोजन सिलेंडरों, ईंधन सेल कन्वर्टर्स, बैटरियों और एयर रिज़र्व के लिए होंगे। यह ट्रेन विशेष रूप से कम दूरी के सफर के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वर्तमान में चेन्नई के इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ड्डष्टस्न) में ट्रेन का इंटीग्रेशन कार्य प्रगति पर है।

हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के ईंधन सेल से उत्पन्न बिजली का उपयोग मोटर चलाने के लिए करती हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों ने दो आईईडी और विस्फोटक सामग्री की बरामद

पुंछ (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में तलाशी अभियान के दौरान दो आईईडी और विस्फोटक सामग्री समेत संदिग्ध सामान बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार मेंढर तहसील के छाजला पुल के नीचे एक संदिग्ध वस्तु देखे जाने की सूचना मिलने के बाद क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को दो आईईडी, एक किलोग्राम से अधिक वजन का आरडीएक्स जैसा विस्फोटक पदार्थ, एक बैटरी, दो कंबल और कुछ खाने-पीने की चीजें मिली है। पूरे इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं पुंछ मेंढर मार्ग को बंद कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने इस बरामदगी को एक बड़ी सफलता करार देते हुए कहा कि यह आतंकियों द्वारा संभावित हमले की योजना का हिस्सा हो सकती है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस मामले में जुड़े लोगों की पहचान करने और उनके इरादों का पता लगाने के लिए गहन जांच कर रही हैं। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के डोडा और उधमपुर जिलों में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की कथित साजिश रच रहे दो आतंकवादियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से कथित तौर पर सीमा पार आतंकी आकाओं के संपर्क में था। उसके कब्जे से दस्तावेजों सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कई मुठभेड़ हुई, जिनमें कई आतंकवादी और उनके कमांडर मारे गए। वहीं कुछ सुरक्षा बलों के जवान भी शहीद हुए।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : लॉरेंस बिश्नोई ने शूटर को जेल से बाहर निकालने और विदेश भेजने का दिया था भरोसा

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आया है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल एक आरोपी ने यह स्वीकार कर लिया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब उसने गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को यह जानकारी दी।

गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान उसने लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी, जो गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान लॉरेंस बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं होने का आश्वासन दिया था। बिश्नोई ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तो भी वह घबराए नहीं, उसे जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकाल लिया जाएगा।

वियान मुल्डर श्रीलंका के खिलाफ बाकी बचे टेस्ट मैचों से बाहर

डरबन (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ डरबन में चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे मैच और गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में ऑलराउंडर वियान मुल्डर नहीं खेलेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय मुल्डर ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

मुल्डर को डरबन में पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद हाथ पर लगने के बाद चोट लगी थी। मुल्डर काफी दर्द में थे और दोबारा बल्लेबाजी करने से पहले उन्होंने कुछ समय लिया। लेकिन दर्द में मैदान से बाहर जाने से पहले उन्होंने सिर्फ दो और गेंदें खेलीं।

उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के नौ विकेट 145 रन पर गिर चुके थे, तब वे दोबारा बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कैगिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया।

इसके बाद लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार का बड़ा बयान, पाकिस्तान को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी की आज अहम बैठक कर रही है। जिसमें अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुक्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर् से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा कि, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है। बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कते हैं, इसलिए टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।

हार्दिक पंड्या का दिखा तूफान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या ने बाएं हाथ के स्पिनर परवेज सुल्तान के एक ओवर में 28 रन और पांच छक्के जड़कर अपनी शानदार बल्लेबाजी फॉर्म जारी रखी जिससे बड़ौदा ने शुक्रवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में त्रिपुरा को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। महज 110 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने हार्दिक के 23 गेंद में 47 रन की मदद से सिर्फ 11.2 ओवर में इसे हासिल कर लिया। इससे पहले उनके बड़े भाई कृणाल पंड्या ने नयी गेंद से 22 रन देकर दो विकेट झटके। मैदान में बैठे दर्शकों का हार्दिक ने पूरा मनोरंजन किया। उन्होंने सुल्तान पर लांग ऑफ और एक्सट्रा कवर पर तीन जबकि काउ कॉर्न पर दो छक्के जड़े। हार्दिक के लिए अभी तक सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट शानदार रहा है और उन्होंने बड़ौदा की सभी चार जीत में योगदान दिया है। उन्होंने इन मैच में नाबाद 74 रन, नाबाद 41 रन, 69 रन और 47 रन बनाये। उन्होंने साथ ही दो विकेट भी झटके हैं। वहीं हैदराबाद में ग्रुप ई के मैच में केरल ने मुंबई को 43 रन से शिकस्त दी जिसमें शार्दुल ठाकुर ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 के इतिहास में सबसे खराब गेंदबाजी रिकॉर्ड बनाया। इंडियन प्रीमियर लीग नीलामी में अनदेखी किये जाने के बाद ठाकुर ने चार ओवर में 69 रन लुटाये।

एमएस धोनी नहीं करेंगे विकेटकीपिंग, सीएसके ऋतुराज गायकवाड़ को कर रही तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए सीएसके का स्कवॉड तैयार है. टीम ने ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथिशा पाथिराना और एमएस धोनी को रिटेन किया था. वहीं ऑक्शन में सीएसके ने डेवन कॉन्वे, राहुल त्रिपाठी, रचिन रवींद्र, विजय शंकर, सैम करन, नूर अहमद जैसे खिलाड़ियों को खरीद मैनेजमेंट ने टीम को मजबूत बनाने का काम किया है. लेकिन अगले सीजन एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है.

अगले सीजन के लिए सीएसके ने अनकैप्ड खिलाड़ी के रुप में एमएस धोनी को रिटेन तो कर लिया है लेकिन धोनी को इंजरी की समस्या बनी रहती है. पिछले 2 साल में हमने धोनी को धुटने की समस्या से जूझते देखा है. ऐसे में अगर उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर हुई तो फिर विकेटकीपिंग कौन करेगा ये एक बड़ी समस्या है.

सीएसके ने विकेटकीपर के विकल्प के रुप में वंश बेदी को रखा है. वंश फिलहाल घरेलू क्रिकेट का बड़ा नाम नहीं है. इसलिए टीम उन पर रिस्क फिलहाल नहीं ले सकती है. इसलिए अगर किसी अहम मैच के दौरान एमएस धोनी इंजरी के शिकार होते हैं तो फिर उनकी जगह विकेट के पीछे कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दिख सकते हैं. फिलहाल गायकवाड़ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी के साथ साथ विकेटकीपिंग भी कर रहे हैं. संभव ऐसा करने का इशारा उन्हें सीएसके ने दिया हो.

ऋतुराज गायकवाड़ सीएसके के भविष्य हैं. 2020 से टीम से जुड़े इस खिलाड़ी ने टीम मैनेजमेंट और धोनी का भरोसा जीता है. अपने धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर टीम को चैंपियन बनाने में मदद की है. इसी वजह से एमएस धोनी ने 2024 में जब टीम की कमान छोड़ी तो वे गायकवाड़ के हिस्से आई. हालांकि पिछले साल गायकवाड़ की कप्तानी में सीएसके का प्रदर्शन साधारण रहा था. देखना होगा कि आगामी सीजन में बतौर बल्लेबाज, कप्तान और अगर मौका मिलता है तो फिर विकेटकीपर के रुप में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है.

टिम डेविड आरसीबी में वापसी को लेकर उत्साहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टिम डेविड ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में फिर से शामिल होने को लेकर अपना उत्साह साझा किया और टीम के साथ रोमांचक यादें बनाने की उम्मीद जताई।

सिंगापुर में जन्मे और ऑस्ट्रेलिया में पले-बढ़े डेविड को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जेद्दा में आईपीएल 2025 की नीलामी में 3 करोड़ रुपये में साइन किया। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2021 में आरसीबी के साथ की थी, उसके अगले साल मुंबई इंडियंस में शामिल हुए।

डेविड ने से कहा, मैं इस साल आरसीबी के लिए खेलने को लेकर वाकई उत्साहित हूं। मैंने कुछ दोस्तों से संपर्क किया है, कुछ कोचिंग स्टाफ के साथ पहले काम किया है और जाहिर तौर पर यह वहां का शानदार मैदान है, खासकर पावर हिटर्स के लिए, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वहां भी कुछ रोमांचक यादें बनेंगी। 28 वर्षीय इस बड़े हिटर ने अपना करियर 20 ओवर के प्रारूप को समर्पित कर दिया है। उन्होंने एमआई एमिरेट्स, एमआई न्यूयॉर्क, एमआई केप टाउन, होबार्ट हरिकेंस, लाहौर कलंदर्स, पर्थ स्कॉर्चर्स, सदर्न ब्रेव्स, सेंट लूसिया किंग्स और दुनिया भर के अन्य फ्रेंचाइज टूर्नामेंटों में खेला है। दुनिया भर में फ्रेंचाइज प्रतियोगिताओं में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, अब बहुत से खिलाड़ी बहुत से फ्रेंचाइज टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने उनमें से बहुत से टूर्नामेंटों में खेला है, और शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपने साथियों के साथ कैसे काम करते हैं।

कभी-कभी जब आप किसी नई टीम के साथ खेल रहे होते हैं, तो आपके पास नए साथी, नया कोचिंग स्टाफ, अलग फ्रेंचाइज हो सकते हैं, और फिर जाहिर है कि जिस देश में आप खेल रहे हैं, वह परिस्थितियों को प्रभावित करता है।

इसलिए नए देश में रन बनाने का सफल तरीका आजमाने और काम करने में सक्षम होना, वह भी ऐसी ही परिस्थितियों में।

अंतरराष्ट्रीय टी20 फ्रेंचाइज लीग में, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ सबसे ज़्यादा मांग वाले खिलाड़ियों में से एक है। सबसे छोटे प्रारूप में 254 मैचों में, उन्होंने 159.79 की स्ट्राइक रेट से 4872 रन बनाए हैं। आईपीएल में, डेविड ने 170 से ज़्यादा की स्ट्राइक रेट से 659 रन बनाए हैं।

डेविड, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 में दिल्ली बुल्स के लिए खेल रहे हैं, ने टी10 प्रारूप में फ़िनिशर की भूमिका पर अपनी राय दी और कहा, टी10 में, देखिए, आप बस जितना जल्दी हो सके उतने रन बनाने की कोशिश करते हैं। तो हां, आपके पास खेल का अंत जल्दी होता है; यह केवल आधे ओवर हैं, इसलिए मुझे लगता है कि प्रारूप के अनुसार खेलने के अपने तरीके का अभ्यास करना अच्छा है।

मोहाली में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करने वाले इस ऑलराउंडर ने हैदराबाद में अपने तीसरे मैच में 27 गेंदों पर 54 रन बनाए। अपने भविष्य की योजनाओं का खुलासा करते हुए डेविड ने कहा, मैं घर वापस जा रहा हूं और होबार्ट के लिए घर पर बिग बैश खेलूंगा। तो, हां, कुछ मैच खेलना वाकई बहुत बढ़िया है; बिग बैश से पहले मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए कुछ लय हासिल करना।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मैं बस यह देख रहा हूं कि आगे क्या है, आप जानते हैं, मेरे सामने सीधे। इसलिए मुझे आज रात एक मैच खेलना है, और हम यहां टी10 में फाइनल तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं और देखते हैं कि उसके बाद क्या होता है।

किस्मत के साथ कनेक्शन भी, केकेआर के कप्तान बनेंगे वेंकटेश अय्यर !

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए हुए मेगा ऑक्शन में केकेआर ने पिछले सीजन की तरह एक बार फिर चौंकाया. आईपीएल 2024 के लिए हुई नीलामी में मिचेल स्टॉर्क को 24.75 करोड़ देकर सभी को हैरान करने वाली इस टीम ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में वेंकटेश अय्यर को रिकॉर्ड कीमत देकर सभी को हैरान कर दिया है.

वेंकटेश अय्यर एक अच्छे बैटिंग ऑलराउंडर हैं. इसलिए केकेआर ने उन्हें जब रिटेन नहीं किया तो फैंस को हैरानी हुई. वेंकटेश पिछले कई साल से टीम से जुड़े हुए भी हैं. लेकिन केकेआर के पास वेंकटेश को लेकर बड़ा प्लान था और इसने ऑक्शन में फैंस को फिर से चौंकाया जब उसने वेंकटेश के लिए 23.75 करोड़ की बड़ी कीमत अदा की. केकेआर की बड़ी बोली ने वेंकटेश को लीग के महंगे खिलाड़ियों के साथ साथ कप्तानी की रेस में ला दिया है.

केकेआर ने ऑक्शन में वेंकटेश अय्यर पर जब से 23.75 करोड़ खर्च किए हैं तभी से ये माना जा रहा है कि वे इस टीम के अगले कप्तान बनने वाले हैं. हालांकि टीम ने अनुभवी अजिंक्य रहाणे को भी खरीदा है जो टीम इंडिया की कप्तानी तो कर ही चुके हैं. घरेलू क्रिकेट में मुंबई के कप्तान हैं और रणजी ट्रॉफी जीता चुके हैं लेकिन कप्तान के रुप में वेंकटेश का नाम ही फिलहाल चर्चा में है. भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद कैफ ने केकेआर की कप्तानी के लिए वेंकटेश अय्यर को ही श्रेष्ठ और बेहतर विकल्प बताया है. इसकी वजह भी उन्होंने बताई है. सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कैफ ने लिखा है कि, केकेआर द्वारा वेंकेटश पर 23.75 करोड़ रुपये खर्च करने के साथ ही उनकी कप्तानी कंफर्म हो गई थी. केकेआर के कोच चंद्रकांत पंडित मध्यप्रेदश के कोच हैं जो वेंकटेश की घरेलू टीम है. इसका फायदा भी उन्हें मिलेगा. ऐसे में अय्यर के पास केकेआर की कप्तानी का बड़ा अवसर है. कैफ के मुताबिक कोच चंद्रकांत पंडित वेंकटेश को अगला कप्तान बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं.

हो गया तय, आरसीबी का अगला कप्तान होगा विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए जब रिटेंशन लिस्ट जारी की गई. उस समय आरसीबी की लिस्ट में फाफ डु प्लेसिस का नाम नहीं था. ऑक्शन में भी आरसीबी ने फाफ के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया. साथ ही किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जिसे टीम का अगला कप्तान बनाया जा सके. ऐसे में टीम का अगला लीडर कौन होगा. इसको लेकर तरह तरह की चर्चाएं जारी हैं. इन चर्चाओं में हाल ही में आए एक बयान ने और गर्माहट ला दी है.

आईपीएल 2025 में आरसीबी की कप्तानी को लेकर टीम के पूर्व खिलाड़ी एबी डीविलयर्स ने बड़ा बयान दिया है. डीविलयर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, आरसीबी ने ऑक्शन में भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पांड्या और जितेश शर्मा को खरीदा है. इन सभी के पास कप्तानी का अनुभव तो है लेकिन बतौर कप्तान उनकी चर्चा नहीं है. ऐसे में मुझे लगता है कि टीम अगले सीजन में कप्तानी विराट कोहली को ही सौंपेगी. हालांकि इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक फैसला नहीं आया है.। विराट कोहली को लेकर कुछ महीने पहले एक खबर आई थी. इसके मुताबिक विराट ने खुद ही एक बार फिर से आरसीबी की कप्तानी की इच्छा मैनेजमेंट से जाहिर की है और मैनेजमेंट उनकी बात को लगभग मान चुका है.

शायद इसी वजह से किसी दूसरे कप्तानी के विकल्प वाले खिलाड़ी पर टीम ने बोली नहीं लगाई. चर्चा थी कि केएल राहुल को टीम खरीदेगी और उन्हें अपना अगला कप्तान बना सकती है लेकिन केएल राहुल में टीम ने ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई और अब वे डीसी से जुड़ चुके हैं.

विराट कोहली 2013 से लेकर 2021 तक आरसीबी की कप्तानी कर चुके हैं. उनकी कप्तानी में टीम ने 2016 का फाइनल खेला था जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था. 2021 में भारतीय टीम की कप्तानी छोड़ने के साथ ही उन्होंने आरसीबी की कप्तानी भी छोड़ दी थी. 2022 से लेकर 2024 तक फाफ डु प्लेसिस टीम के कप्तान थे।.

बो वेबस्टर के पास हुनर है, अगर मौका मिला तो वह ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार रहेंगे : कुहनेमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैथ्यू कुहनेमैन का मानना है कि शेफील्ड शील्ड टीम में उनके साथी तस्मानिया के बो वेबस्टर को मौका मौका मिला तो वह आस्ट्रेलिया के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का मौका भुनाएंगे।

मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताओं के बीच वेबस्टर को भारत के खिलाफ आगामी पिंक-बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। यह अनकैप्ड ऑलराउंडर अगले सप्ताह एडिलेड में टीम से जुड़ेगा।

उन्हें भारत 'ए' के खिलाफ दो मैचों की सीरीज सहित लाल गेंद क्रिकेट में उनके हाल के अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल शेफील्ड शील्ड में 50.50 की औसत से 303 रन बनाए हैं और नौ विकेट भी लिए हैं। कुहनेमन ने एसईएनक्यू ब्रेकफास्ट से कहा, मुझे लगता है कि इस समय बो के पास बेहतरीन हाथ है, बल्ले और गेंद दोनों से ही वह मैदान में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। वह मैदान के बाहर भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए अगर बो को मौका मिलता है, तो मुझे यकीन है कि वह इसे दोनों हाथों से लेंगे और ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन करेंगे।

वह ऑस्ट्रेलिया ए के लिए 72.50 की औसत से 145 रन बनाकर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 20 से कम की औसत से सात विकेट भी लिए। कुल मिलाकर, 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने अपने करियर में 5000 से ज्यादा प्रथम श्रेणी रन बनाये हैं और करीब 150 प्रथम श्रेणी विकेट लिए हैं।

कुहनेमैन ने कहा, जब भी आपको विकेट या रन की जरूरत होती है, तो वह हर बार अपना हाथ आगे बढ़ाता है। शील्ड क्रिकेट में टैसी के लिए पिछले कुछ सीज़न में जिस तरह से उसने खेला है, वह अविश्वसनीय है।

वेबस्टर के टीम में शामिल होने से ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी क्षमता और भी बढ़ गई है। मार्श की जगह एक मजबूत बैक-अप मिल गया है, जिन्होंने पर्थ टेस्ट में हिस्सा लिया था और 17 ओवर फेंके थे, जो 2019 ओवल टेस्ट के बाद से किसी टेस्ट में उनकी सबसे ज्यादा गेंदबाजी है।

इस साल की शुरुआत में मार्श को गंभीर चोट लगी थी और उन्हें सीमित समय तक गेंदबाजी का मौका मिला था, ऐसे में वेबस्टर की मौजूदगी महत्वपूर्ण होगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में रात्रि विश्राम किया

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना निर्माण व विकास के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करायें। गौवंश वन्य विहार को आत्मनिर्भर बनाने के लिये सीएनजी प्लांट की स्थापना कराई जायेगी तथा रीवा नगर निगम के कचरा वाहन उत्पादित सीएनजी से चलेंगे। इसके साथ ही गाय के गोबर व गौमूत्र से बनने वाली सामग्री का विक्रय कर गौवंश वन्य विहार को स्वावलंबी व आर्थिक तौर पर सक्षम बनाया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में निर्मित रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया तथा प्रातः काल गौवंश के बीच सुरम्य वातावरण में भ्रमण करते हुए वन्य विहार की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये कि गौवंश के लिये पक्की सड़क में अस्थाई शेड का निर्माण करायें ताकि गौवंश के लिये पूर्व से निर्मित शेड के अतिरिक्त आश्रय की व्यवस्था हो सके। उन्होंने गौवंश वन्य विहार को पूर्णतः सोलर से उर्जीकृत करने के लिये सोलर पैनल लगाये जाने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गाय के गोबर से बनने वाली खाद को किसानों को समितियों के माध्यम से विक्रय कराने की व्यवस्था करायें साथ ही गोनाइल व गोबर विक्रय की व्यवस्था सुनिश्चित करें। शुक्ल ने रेस्ट हाउस के सामने रिक्त भूमि को समतल कर पेवर ब्लाक लगाने तथा पक्का मंच बनाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार का संपूर्ण परिसर आकर्षक, स्वच्छ व सुरम्य बनाया जाय क्योंकि यहां प्रमुख जन का आगमन होता है और वह रेस्ट हाउस में रूकते हैं। साथ ही इसे पर्यटन विभाग द्वारा टूरिस्ट सर्किट से भी जोड़ा जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये कि मृत पशुओं के निष्पादन के लिये गौवंश वन्य विहार से बाहर स्थल सुनिश्चित किया गया है वहां निष्पादित करायें तथा बिजली से निष्पादित किये जाने वाले संयंत्र की भी स्थापना के प्रस्ताव बनाकर इसे शीघ्र स्थापित करायें। शुक्ल ने कहा कि आगामी जनवरी माह में प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान पूज्य संत अवधेशानंद जी, मोरारी बापू तथा बाबा रामदेव का भी बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में पदार्पण प्रस्तावित है अतः सभी कार्य समय से पूरे कर लिये जांय। उन्होंने प्रशासनिक भवन तथा मंदिर निर्माण का कार्य पूरा कराने के लिये निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री ने वन्य विहार में कार्यरत गौसेवकों से संवादकर उनकी समस्यायें जानी तथा उनके समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी गौसेवकों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की भी बात कही। उन्होंने गौसेवकों से अपेक्षा की कि वह गौवंश की सेवा में कोई कोरकसर नहीं छोड़ेंगे। उनकी सुख सुविधा व व्यवस्था का ध्यान रखा जायेगा। इस दौरान उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा ने वन्य विहार के आय-व्यय का प्रस्तुतीकरण किया। बैठक में पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, डीआईजी एसपी पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक राजेश राय, प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, प्रपंज आर, एसडीएम राजेश कुमार सिन्हा, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बसामन मामा के किये दर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा मंदिर में भगवान बसामन मामा के दर्शन किये। उन्होंने बसामन मामा की पूजा अर्चना एवं आरती कर जिले एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। इस दौरान पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, डीआईजी एसपी पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक राजेश राय, प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, प्रपंज आर, एसडीएम राजेश कुमार सिन्हा, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर राजस्व महाअभियान तथा विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में 30 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में कलेक्टर कांफ्रेंस आयोजित की गई है। बैठक में कमिश्नर राजस्व कार्यों, पेयजल व्यवस्था तथा विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा करेंगे। बैठक में प्रातः 11 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक संवेदनशील विषयों पर कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे से दोपहर एक बजे तक राजस्व महाअभियान एवं वन व्यवस्थापन की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे से आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में पेयजल व्यवस्था, समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन, प्रधानमंत्री आवास योजना, गौशाला निर्माण, बिजली की आपूर्ति, खनिज राजस्व वसूली तथा छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की भी जिलेवार समीक्षा की जाएगी। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित रहेंगे।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की जल आपूर्ति व्यवस्था के कार्य का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवन्य विहार में जल आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिये टमस नदी में मोटर से पानी पहुंचाने के कार्य का बटन दबाकर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बसामन मामा में अब निर्वाध जल आपूर्ति होगी जिससे गौवंश के लिये पानी मिलेगा तथा अन्य कार्यों के लिये भी पानी की उपलब्धता रहेगी। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि गौवंश वन्य विहार में पाइप लाइन डालकर पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि गौवंश के साथ ही सिंचाई, चारा उत्पादन व पौधों की सिंचाई आदि के लिये पर्याप्त पानी की उपलब्धता रहे। इस दौरान पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, कमिश्नर बीएस जामोद, डीआईजी एसपी पाण्डेय, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, प्रपंज आर तथा कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, जल निगम के महाप्रबंधक चित्रांशु सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

49175 मजदूरों के बनेंगे आयुष्मान कार्ड

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। शासन के निर्देशों के अनुसार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत सभी मजदूरों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। मऊगंज जिले में कर्मकार कल्याण मण्डल में 49175 मजदूर पंजीकृत हैं। कलेक्टर अजय वास्तव ने बताया है कि इन सभी मजदूरों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग मिलकर प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर लगा रहा है। इन शिविरों में श्रमिकों तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्र में नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग मिलकर शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक मिलकर पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। जिला श्रम पदाधिकारी शिविरों में मजदूरों की उपस्थिति सुनिश्चित करके उन्हें आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करें।

छतैनी में जन समस्या निवारण शिविर 3 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशों के अनुसार आमजनता के आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण करने एवं शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में विकासखण्ड जवा के ग्राम पंचायत छतैनी में 3 दिसम्बर को शिविर आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डा. सौरभ सोनवणे ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा को शिविर का नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकासखण्ड जवा के परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। शिविर में जन समस्याओं के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए विभिन्न विभागों को सहयोगी विभाग के रूप में शामिल किया गया। प्रभारी कलेक्टर ने अधिकारियों को वृहद स्तर पर शिविर सुनिश्चित करने तथा समस्याओं के निराकरण का प्रतिवेदन देने के निर्देश दिये हैं।

रेत के रेट ने बढ़ाई आमजन की समस्याएं

ट्रांसपोर्टर्स का भी बुरा हाल, कैसे बनेंगे पक्के मकान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सीधी शहडोल रेत खदानों के लिए माइनिंग कॉर्पोरेशन द्वारा एमडीओ बनाई गई जिसमें मुंबई की सहकार ग्लोबल लिमिटेड द्वारा रेत के खनन में मनमानी की घटना सामने आई है , क्षेत्र की रेत खदानें ठेके पर बाहर से आए असामाजिक तत्वों को देने आदि के विरोध में ग्रामीणों ने पहले ही विरोध दर्ज कराया था। ग्रामीणों ने सोन नदी के अंदर उतारी गई मशीनों से काम नही करने का भी विरोध किया था। लेकिन बड़ी बड़ी मशीन लगाकर कम्पनी मालिक नियमों को धज्जियां उड़ा रहा हैं वही प्रशासन ने भी चुप्पी साधी हुई है अब कैसे बनेगा गरीबों का आशियाना पी एम मोदी की प्रधान मंत्री आवास योजना अब अंधकार की भेंट चढ़ रहा है । खनन माफिया अपनी झोली भरने के लिए आम लोगों की छत छीन रहा है।

सीधी में सहकार की मनमानी किसी को ज्यादा रेट में रेत तो

किसी को कम रेट में रेत: सीधी ज़िले में कम्पनी की मनमानी अपने चरम पर पहुँच गई है अब ट्रांसपोर्टरों ने भी इसका विरोध करना चालू कर दिया है। वहीं लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा है की पहले कम रेट में लोडिंग सहकार कम्पनी द्वारा किया जाता था लेकिन अब कंपनी अपनी मनमानी पर उतारू हो गई है तथा कभी 5 रुपए बालू का रेट बढ़ता है तो कभी 2 रुपए बढ़ता है , जिसके कारण लोग अपना घर नही बनवा पा रहे है साथ ही कहा की अपने चहेतों को यह कम्पनी 25 रुपए फ़िट ही लोड कर अपनी काली कमाई में चार चाँद लगा रही है यह कम्पनी नियमों को ताक में रख कर मशीनरी से अबैध उत्खनन कर रही है इसके अलावा कम्पनी के कर्मचारी कहते हैं कि मुझे किसी के घर बनने से कोई मतलब नही है मोदी जी घर बनवाए मै ठेका लिया हूँ तो रेट भी मेरा ही होगा मेरे काम में सरकार का कोई हस्तक्षेप नही कर सकता सभी को मोटी रक़म दी जा रही है।

सहकार कम्पनी जीएसटी की कर रहा चोरी: ट्रांसपोर्ट ने आरोप लगाते हुए कहा की सहकार ग्लोबल कम्पनी अपनी मनमानी में इतनी उतारू है कि जीएसटी बिल मागने पर ड्राईवर के साथ मारपीट पर उतारू हो जाते है बिल नही मिलने से ट्रांसपोर्ट व ठेकेदार जीएसटी रिटर्न भरने में लाखों की हानी उठा रहे है , साथ ही कहा की रीवा से जाने वाले वाहनो से अबैध पैसे को भी माँग लोडिंग के दौरान की जाती है। लोगों की समस्या ऐसी है कि वो घर बनवाने के लिए अगर पचीस हज़ार जोड़ते है तो सहकार कम्पनी रेत का रेट बड़ा देती है फिर घर बनवाने वाले को महीनो पैसे जोड़ने पड़ते है जबकि किसी का घर गिरने वाला है तो किसी ने पक्का मकान का सपना लिए अपना घर गिरा दिया है लेकिन रेत की मार ने उन्हें बेघर कर दिया मगर सहकार की मनमानी अपने चरम पर है।

राजस्व महाभियान में बटवारा के 153 प्रकरण किये गये निराकृत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर की सभी तहसीलों में राजस्व महाभियान 3.0 चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों की सुनवाई की जा रही है। सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अपने न्यायालय में प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके उनका निराकरण कर रहे हैं। राजस्व महाभियान में 15 नवम्बर से 28 नवम्बर तक जमीन के बटवारा से संबंधित 153 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि तहसीलदार गुढ़ ने 8, तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान ने 4, नायब तहसीलदार दुआरी ने 10, तहसीलदार जवा ने 3 तथा नायब तहसीलदार अतैरला ने 2 प्रकरणों का निराकरण किया। इसी अवधि में तहसीलदार त्योंथर ने एक, नायब तहसीलदार चाकघाट 16, नायब तहसीलदार रायपुर सोनौरी ने एक, तहसीलदार मनगवां ने 18, नायब तहसीलदार गढ़ ने 5 एवं नायब तहसीलदार डेल्ही ने 3 प्रकरणों का निराकरण किया। नायब तहसीदार सूरा ने 13, नायब तहसीलदार पहड़िया ने 5, तहसीलदार सिरमौर ने 7, नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर ने 10, नायब तहसीलदार लालगांव ने 14, तहसीलदार सेमरिया ने एक, नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ 3, नायब तहसीलदार बनकुइयाँ ने 5 तथा तहसीलदार हुजूर ने 13 प्रकरणों का निराकरण किया।

दुआरी में समस्या निवारण शिविर आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा जन समस्या के त्वरित निराकरण के लिए विकासखण्ड स्तर पर जन समस्या निवारण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में विकासखण्ड रीवा के दुआरी पंचायत में सरयू पैलेस रेलवे रोड में 30 नवम्बर को जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डा. सौरभ सोनवणे ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रीवा को शिविर का नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकासखण्ड रीवा के परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। शिविर में जन समस्याओं के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए विभिन्न विभागों को सहयोगी विभाग के रूप में शामिल किया गया। प्रभारी कलेक्टर ने अधिकारियों को वृहद स्तर पर शिविर सुनिश्चित करने तथा समस्याओं के निराकरण का प्रतिवेदन देने के निर्देश दिये हैं।

छात्रवृत्ति संबंधी समीक्षा बैठक स्थगित

रीवा (निप्र)। छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के वर्ष 2022-23 से अब तक तथा पूर्व वर्षों के लंबित आवेदनों के सत्यापन व भुगतान की समीक्षा संभागीय उपायुक्त द्वारा 30 नवम्बर को केदारनाथ महाविद्यालय मऊगंज में दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई थी जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थापित कर दिया गया है।

रोजगार मेले से 86 युवाओं को मिले रोजगार के अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय हनुमना में एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया। इसमें 147 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 5 निजी कंपनियों ने इनमें से 86 युवाओं का चयन किया है। इस

संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में ग्रोफास्ट एग्रिटेक प्रा. लि. रीवा में 17, प्रगतिशील बायोटेक रीवा में 15, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा में 22, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस में 18 तथा बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. इंदौर में 14 युवाओं का चयन किया गया है। रोजगार मेले के सफल आयोजन में सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय हनुमना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वय से प्रयास किया।

पांच दिन नहीं होगी पानी की आपूर्ति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महाप्रबंधक जल निगम चित्रांशु ने बताया है कि कन्दैला समूह पेयजल परियोजना के संविदाकार द्वारा पाइप लाइन लीकेज के संधारण का कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण 30 नवम्बर से 4 दिसंबर कुल पांच दिन तक योजना के अन्तर्गत आने वाले कुल 109 ग्रामों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी।

राजस्व महाभियान में त्योंथर तहसील में हो रही हैं विशेष ग्राम सभाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर अनुभाग में 15 नवम्बर से राजस्व महाभियान 3.0 चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विशेष ग्राम सभाओं के साथ राजस्व शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में एसडीएम संजय जैन ने बताया कि पंचायतवार ग्राम सभाओं का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। इनमें बी-1 का वाचन किया जा रहा है। मौके पर ही मृत खातेदारों के फौती नामांतरण के प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। शिविरों में नक्शों में बटांकन दर्ज करने और अभिलेख सुधार के आवेदन भी लिए जा रहे हैं। शिविर में शामिल किसानों से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लंबित प्रकरणों में ईकेवाईसी एवं आधार सीडिंग की जा रही है। पटवारियों द्वारा किसानों के खसरे में

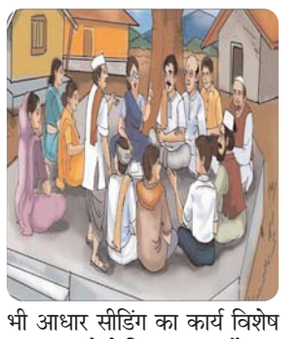

भी आधार सीडिंग का कार्य विशेष ग्राम सभाओं में किया जा रहा है। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम भी उपस्थित रहती है जिसके द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों तथा अन्य पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इन विशेष ग्राम सभाओं और शिविरों में बड़ी संख्या में आमजन उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं।

सीएम राइज स्कूल से शिक्षा की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

सीएम राइज स्कूल बनने के बाद बेहतर हुए 12वीं परीक्षा के परिणाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की आधुनिक शिक्षा देने के लिए जिले भर में सीएम राइज स्कूल स्थापित किए गए हैं। रीवा जिले में प्रथम चरण में 12 स्कूलों को इस परियोजना में शामिल किया गया है। सीएम राइज स्कूलों का संचालन आधुनिक उत्कृष्ट स्कूलों की तरह किया जा रहा है। इनमें पठन-पाठन की सुविधाओं, भवन आदि से लेकर पाठ्यक्रम तक में सुधार किया गया है। नवीन भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद सीएम राइज स्कूल आवासीय विद्यालय की तरह विद्यार्थियों को आवास और भोजन की सुविधा देने के साथ आधुनिक शिक्षा देंगे। सीएम राइज स्कूलों में आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, ऑडिटोरियम, खेलकूद की व्यवस्था, आधुनिक क्लासरूम की व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी ने बताया कि सीएम राइज स्कूलों में चुने हुए शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। नई पद्धति से पढ़ाई करने के बाद सीएम राइज स्कूलों में कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में 3 स्कूलों को छोड़कर शेष 9 स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर हुए हैं। कक्षा 12वीं में 2023 में शासकीय उमावि डभौरा में 67 प्रतिशत, उमावि कन्या सेमरिया में 32.6 प्रतिशत, शासकीय पीके कन्या उमावि रीवा में 74 प्रतिशत, शासकीय उमावि रघुराजगढ़ में 58.33 प्रतिशत, शासकीय उमावि ढेरा में 37.71 प्रतिशत, उत्कृष्ट उमावि सिरमौर में 37.16 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इसी तरह उत्कृष्ट उमावि मऊगंज में 48.05 प्रतिशत, उमावि बालक मनगवां में 54.1 प्रतिशत, उमावि रायपुर कर्चुलियान में 53.31 प्रतिशत, उमावि गौरी में 70 प्रतिशत, उमावि बालक देवतालाब में 26.8 प्रतिशत तथा उमावि त्योंथर में 44.9 प्रतिशत रहा। सीएम राइज स्कूल बनने के बाद 2024 में शासकीय उमावि डभौरा में 54.36 प्रतिशत, उमावि कन्या सेमरिया में 86.62 प्रतिशत, शासकीय पीके कन्या उमावि रीवा में 90.68 प्रतिशत, शासकीय उमावि रघुराजगढ़ में 49.12 प्रतिशत, शासकीय उमावि ढेरा में 92.86 प्रतिशत, उत्कृष्ट उमावि सिरमौर में 69.88 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इसी तरह उत्कृष्ट उमावि मऊगंज में 66.49 प्रतिशत, उमावि बालक मनगवां में 61.75 प्रतिशत, उमावि रायपुर कर्चुलियान में 79.83 प्रतिशत, उमावि गौरी में 66.67 प्रतिशत, उमावि बालक देवतालाब में 50.62 प्रतिशत तथा उमावि त्योंथर में 33.94 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा।

राजस्व महाभियान में सीमांकन के 1165 प्रकरणों का किया गया निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर की सभी तहसीलों में राजस्व महाभियान 3.0 चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों की सुनवाई की जा रही है। सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अपने न्यायालय में प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके उनका निराकरण कर रहे हैं। राजस्व महाभियान में 15 नवम्बर से 28 नवम्बर तक जमीन के सीमांकन से संबंधित 1165 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि तहसीलदार गुढ़ ने 8, तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान ने 63, नायब तहसीलदार दुआरी ने 35, तहसीलदार जवा ने 9, नायब तहसीलदार डभौरा 21 तथा नायब तहसीलदार अतैरला ने 13 प्रकरणों का निराकरण किया। इसी अवधि में तहसीलदार त्योंथर ने 20, नायब तहसीलदार गढ़ी 41, नायब तहसीलदार चाकघाट 103, नायब तहसीलदार रायपुर सोनौरी ने 18, तहसीलदार मनगवां ने 36, नायब तहसीलदार गढ़ ने 49 एवं नायब तहसीलदार डेल्ही ने 4 प्रकरणों का निराकरण किया। नायब तहसीदार सूरा ने 66, नायब तहसीलदार पहड़िया ने 34, नायब तहसीलदार मनिकवार 15, तहसीलदार सिरमौर ने 68, नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर ने 3, नायब तहसीलदार लालगांव ने 99, तहसीलदार सेमरिया ने 36, नायब तहसीलदार शाहपुर 41, नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ 115, नायब तहसीलदार बनकुइयाँ ने 138, एसडीएम हुजूर 8, एसडीएम जवा 2 तथा तहसीलदार हुजूर ने 128 प्रकरणों का निराकरण किया।

उप मुख्यमंत्री ने देखी साबरमती फिल्म

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में मल्टीप्लेक्स में द साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी। इस अवसर पर उनके साथ जनप्रतिनिधिगण एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।